दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

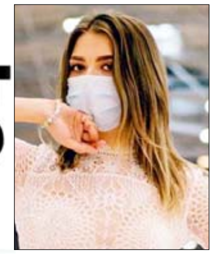

वर्ष 03, अंक 180 | ग्वालियर मंगलवार 7 जुलाई 2020 | pushpanjalitoday@gmail.com | मूल्य 01, रुपए, पृष्ठ 8

तरक्की की नई इबारत लिखने मुख्यमंत्री चौहान ने कीं मैराथन बैठकें

राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति सहित कई केन्द्रीय मंत्रियों से मिलकर की मुलाकात

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने दो दिवसीय नई दिल्ली प्रवास के दौरान केन्द्रीय मंत्रियों के साथ मैराथन मीटिंग्स करते हुए मध्यप्रदेश में सर्वोच्च प्राथमिकता देकर किये गये कोविड-19 के नियंत्रण, गेहूँ उपार्जन, सौर परियोजना के क्रियान्वयन, प्रदेश के बासमती चावल को जीआई टैग दिलवाने, किसानों से पिछले वर्ष उपार्जित गेहूँ को केन्द्रीय पूल मे लेने, प्रदेश में तेल और प्राकृतिक गैस की अन्वेषण अनुमति के लिये 5 परमिट जारी करने के अनुरोध, प्रदेश के लिये अतिरिक्त यूरिया की माँग और राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से सौजन्य भेंट कर प्रदेश की प्रगति के प्रयासों से अवगत करवाया। श्वव्यापी कोरोना संकट के कारण मुख्यमंत्री श्री चौहान की राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति से सौजन्य भेंट नहीं हो सकी थी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय मंत्रियों से अलग-अलग भेंटकर मध्यप्रदेश के विभिन्न वर्गों के हित में आवश्यक कदम उठाने का अनुरोध किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ मुख्यमंत्री श्री चौहान का निरंतर संवाद

वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा होता रहा है। अन्य केन्द्रीय मंत्रियों से भी संवाद और सम्पर्क बना रहा। इसी वजह से मध्यप्रदेश के लिये आवश्यक राशि के आवंटन और योजनाओं के माध्यम से हितग्राहियों को लाभांन्वित करने की भावी योजनाओं की प्रक्रिया को बढ़ाया जा सका। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 5 जुलाई को जहाँ केन्द्रीय ऊर्जा राज्य मंत्री आर.के. सिंह से मुलाकात कर एशिया के सबसे सौर ऊर्जा पॉवर प्लांट के लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होने का आग्रह किया, वहीं पूर्व में इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा ऑनलाइन लोकार्पण के लिये प्राप्त स्वीकृति से अवगत कराया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने इसी दिन केन्द्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान से भेंटकर गत वर्ष उपार्जित प्रदेश के 6.45 लाख मीट्रिक टन गेहूँ को केन्द्रीय पूल में शामिल करने का पुरजोर आग्रह किया। इसी तरह मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय मंत्री श्री पासवान को मध्यप्रदेश में लौटे 13 लाख प्रवासी श्रमिकों में से एक लाख 90 हजार मजदूरों को राशन कार्ड न होने के कारण राशन से वंचित रहने की समस्या से भी अवगत करवाया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 6 जुलाई को केन्द्रीय रसायन और उर्वरक मंत्री डी.वी. सदानंद गौड़ा से मुलाकात कर मध्यप्रदेश के लिये अतिरिक्त यूरिया आवंटन का अनुरोध किया। इस मुलाकात का परिणाम सार्थक रहा। केन्द्रीय मंत्री श्री गौड़ा ने अतिरिक्त यूरिया देने के साथ ही प्रदेश में रैक प्वाइंटस बढ़ाने की मंजूरी भी दे दी। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से मध्यप्रदेश में ओएनजीएल द्वारा अन्वेषण के लिये अनुमति के आवेदन का स्मरण दिलाते हुए 5 परमिट जारी किये जाने का अनुरोध किया। केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से भेंट में मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध बासमती चावल को जीआई टैग दिलवाने का अनुरोध किया। मध्यप्रदेश के करीब 80 हजार किसान चावल की यह लोकप्रिय किस्म उगाते हैं। यह चावल विदेशों तक जाता है। मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जीआई टैग मिल जाने से किसानों को भी फायदा मिलेगा।

डोभाल से चर्चा के बाद झुका चीन

1.5 किलोमीटर अपने सैनिकों को पीछे हटने को हुआ तैयार

पेइचिंग। गलवान घाटी विवाद के बाद चीन ने स्वीकार किया है कि भारत के साथ लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर तनाव घटाने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। चीन के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी करके कहा कि भारत और चीन के सैन्य कमांडरों के बीच बातचीत हुई है और तनाव को घटाने की दिशा में प्रभावी कदम उठा रहे हैं। चीन का बयान उस समय पर आया है,जब बीजिंग ने भारत के चौतरफा दबाव के आगे झुककर गलवान घाटी में संघर्ष वाली जगह से 1.5 किलोमीटर अपने सैनिकों को पीछे हटा लिया है। सूत्रों के मुताबिक सीमा बातचीत को लेकर भारत के विशेष प्रतिनिधि और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोवाल और उनके चीनी समकक्ष (विदेश मंत्री) वांग यी के बीच वार्तालाप के बाद दोनों

देशों के सैनिक पीछे हटने पर सहमत हुए हैं। चीन के विदेश मंत्रालय ने कहा,दोनों देशों के सैन्?य अधिकारियों के बीच बातचीत के बाद अग्रिम मोर्चे पर तैनात सैनिकों के बीच तनाव को घटाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इसके पहले लद्दाख में भारत की सख्ती और जोरदार जवाबी कार्रवाई के बाद चीन के आक्रामक रुख में नरमी आई। जानकार सेना को पीछे हटाने को तनाव घटाने की तरफ पहला कदम मान रहे हैं। बता दें कि 15 जून की रात दोनों देशों के जवानों के बीच खूनी संघर्ष में भारत के 20 जवान शहीद हुए थे जबकि चीन के 40 जवान मारे गए थे। लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिक डिसइंगेजमेंट प्रक्रिया के तहत करीब 1.5 किमी पीछे हटे हैं। सेना सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, चीनी सैनिकों ने अपने कैंप भी पीछे हटाए हैं। हालांकि अभी सेना का कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बताया जा रहा है कि गलवान घाटी को बफर जोन बना दिया गया है, ताकि आगे फिर से कोई हिंसक घटना न हो। सूत्रों के मुताबिक अभी वेरिफिकेशन की प्रकिया पूरी नहीं हुई है। एक सीनियर अधिकारी ने इसकी पुष्टि की कि चीनी सैनिक पीछे हटे हैं लेकिन कहा कि कितना पीछे हटे हैं, यह वेरिफिकेशन के बाद कंफर्म हो पाएगा। 30 जून को कोर कमाडंर स्तर की मीटिंग में वेरिफेकेशन की प्रक्रिया भी तय की गई थी। जिसमें तय हुआ था कि एक कदम उठाने के बाद प्रूफ देखकर ही दूसरा कदम बढ़ाया जाएगा। वेरिफिकेशन में तीन दिन का समय लग सकता है। अधिकारी ने कहा कि जैसे चीन ने एक टैंट हटाया,तब तीन दिन के अंदर यूएवी से उसकी फोटो लेकर पेट्रोलिंग पार्टी जाकर फिजिकल वेरिफिकेशन भी करेगी। जब वेरिफिकेशन हो जाएगा उसके बाद दूसरा कदम उठाया जाएगा।

कोविड-19: संक्रमण 7 लाख के पार हुई संख्या

नई दिल्ली। देश में कोविड-19 के 24,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले सोमवार को सात लाख के पास पहुंच गए. वहीं 425 और संक्रमित लोगों की मौत के बाद देश में इससे मरने वालों की संख्या 19,693 हो गई. कोविड-19 संक्रमण के मामले में भारत रूस को पछाड़ कर तीसरा सर्वाधित प्रभावित मुल्क बन चुका है. इसी बीच, स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को दावा किया कि देश में इस महामारी पर नेशनल पॉजिविटी रेट गिरकर 6.73 प्रतिशत हो गया है. केंद्र ने इसके साथ यह भी बताया कि दिल्ली में पिछले तीन हफ्तों में कोरोना पॉजिटिविटी रेट कम होकर 10 फीसदी पर आ गया है, जो कि पहले 30 फीसदी था. वहीं, भारत में सोमवार तक कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि के लिए एक करोड़ से अधिक नमूनों की जांच हो चुकी है. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद

(आईसीएमआर) के वैज्ञानिक और मीडिया समन्वयक डॉ लोकेश शर्मा ने कहा, 6 जुलाई सुबह 11 बजे तक कुल 1,00,04,101 लोगों की कोरोना वायरस की जांच की गई है, जिनमें से 1,80,596 लोगों की जांच पांच जुलाई को की गई. शर्मा ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के नमूनों की जांच के लिये अब कुल 1,105 प्रयोगशालाएं हैं, जिनमें 788 सार्वजनिक क्षेत्र में जबकि 317 निजी क्षेत्र में हैं. एक जुलाई तक देश भर में कुल 90 लाख जांचें हो चुकी थीं. शर्मा ने कहा, 25 मई तक जांच क्षमता तकरीबन 1.5 लाख प्रतिदिन थी जिसे बढ़ाकर अब तीन लाख प्रतिदिन कर दिया गया है. आईसीएमआर ने कहा कि सिर्फ एक प्रयोगशाला, पुणे स्थित राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान (एनआईवी), से जांच शुरू हुई थी और लॉकडाउन की शुरूआत में यह 100 था. आगे चलकर 23 जून को आईसीएमआर ने 1,000 जांच प्रयोगशालाओं को मंजूरी दी. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि केंद्र सरकार कोविड-19 जांच क्षमता को बढ़ाने के लिए कई आवश्यक कदम उठा रही है. बता दें कि देश में कोविड-19 के 24,248 नए मामले सामने आने के बाद देश में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल मामले सोमवार को सात लाख के पास पहुंच गए.

नेपाल में प्रधानमंत्री के इस्तीफे पर सस्पेंस जारी

ओली और विरोधी गुट के नेता प्रचंड के बीच आज फिर होगी बातचीत

काठमांडू। नेपाल में प्रधानमंत्री ओली के इस्तीफे पर सोमवार को भी फैसला नहीं हो सका। सोमवार को दो अहम बातें हुईं। पहली- प्रधानमंत्री ओली और उनके मुख्य विरोधी प्रचंड के बीच करीब तीन घंटे चली बैठक बेनतीजा रही। मंगलवार को फिर दोनों नेता बातचीत करेंगे। दूसरी- स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग भी दो दिन टल गई है। अब यह बुधवार को होगी। सूत्रों के मुताबिक, ओली और प्रचंड के मतभेद कम नहीं हुए हैं। शनिवार, रविवार और सोमवार को भी दोनों नेताओं ने बातचीत की थी। लेकिन, कोई हल नहीं निकल सका। अब मंगलवार को दोनों फिर मिलेंगे। इस बातचीत में जो फैसला होगा उसके बाद बुधवार को स्टैंडिंग कमेटी उस पर विचार करेगी। हालिया वक्त में नेपाल की सियासत का यह सबसे अहम मोड़ है। ओली पर इस्तीफे का दबाव बढ़ता जा रहा है। कुर्सी बचाने के लिए वे हर तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। शायद यही वजह है कि शनिवार के बाद सोमवार को भी स्टैंडिंग कमेटी की मीटिंग बुधवार तक टाल दी गई। इस कमेटी में कुल 40 मेंबर हैं। 30 से ज्यादा ओली का इस्तीफा चाहते हैं। वहीं, कुछ सीनियर लीडर समझौता कराने की कोशिश कर रहे हैं। इसकी वजह पार्टी में टूट की आशंका है।

अयोध्याः नवरात्र में हो सकता है राम मंदिर निर्माण, भूमि पूजन का मिला एक और मुहूर्त

नई दिल्ली। अयोध्या में बहुप्रतीक्षित श्री राम मंदिर निर्माण की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। और अब प्रतीक्षा है उस शुभ तारीख का, जब भूमि पूजन होने के बाद निर्माण कार्य तेजी से रफ्तार पकड़ेगा। अब निर्माण कार्य के श्रीगणेश का एक और मुहूर्त निकला है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास के सूत्रों ने संकेत दिए हैं कि अश्विन शुक्लपक्ष प्रतिपदा या फिर विजयदशमी के आसपास भव्य समारोह के बीच भूमि पूजन किया जा सकता है। वैसे भी चातुर्मास की वजह से अश्विन कृष्णपक्ष पूरा होने यानी अमावस्या तक मांगलिक कार्य करने का कोई मुहूर्त ही नहीं है। ऐसे में सबसे निकट मुहूर्त तो नवरात्रों का ही है।

जेपी नड्डा ने ट्वीट कर राहुल गांधी के बयान पर किया पलटवार

राहुल रक्षा संबंधी संसदीय समिति की बैठक में कभी नहीं गए और रोज उठाते हैं सवाल

नई दिल्ली।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट कर राहुल गांधी के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि रक्षा संबंधी संसद की स्थाई समिति की बैठक में कभी नहीं गए और रक्षा मामलों और सेना पर हर रोज सवाल उठाते हैं। राहुल गांधी मे कहा कि देशभक्त लद्दाखवासी चीनी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और सरकार को उनकी सुननी चाहिए क्योंकि यदि उनकी बात को नजरअंदाज किया गया तो देश को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। उन्होंने एक खबर का हवाला देते हुए ट्वीट किया था, %देशभक्त लद्दाखवासी चीनी घुसपैठ के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। वे आगाह कर रहे हैं। उनकी बात की उपेक्षा करने की भारत को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी।% राहुल गांधी ने कहा, %कृपया, भारत की खातिर उन्हें सुनिए।%

राहुल गांधी ने जिस खबर का हवाला दिया था, उसके मुताबिक कई लद्दाखवासियों ने कहा है कि चीन ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ की है। गौरतलब है कि लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर पिछले कई हफ्तों से गतिरोध चल रहा है। गत 15-16 जून की रात दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प में 20 भारतीय जवान शहीद हो गए थे। इस झड़प में चीनी पक्ष को भी नुकसान होने की खबरें हैं। मालूम हो कि राहुल गांधी चीन के साथ जारी गतिरोध के बीच लगातार केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं।

सावन का पहला सोमवारः उमड़ा श्रद्धालुओं का जन सैलाब

रांची ।कोरोनाकाल में आए श्रावण के प्रथम सोमवार पर देशभर में पुलिस के कड़े पहरे के बाद भी शिवालयों में श्रद्धालुओं का जन सैलाब उमड़ा भक्त भगवान शिव की पूजा के लिए मंदिरों में पहुंच रहे हैं। झारखंड के सभी प्रमुख शिव मंदिरों में पुलिस का कड़ा पहरा है। देवघर स्थित विश्व प्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम के अलावा दुमका के वासुकिनाथधाम, रांची के पहाड़ी मंदिर और खूंटी के बाबा आम्रेश्वर धाम मंदिर में बैरिकेडिंग की व्यवस्था की गई है।

कमल पटेल ने अमित शाह को लिखा पत्र,

कमलनाथ के खिलाफ हो सीबीआई जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के चीन से जुड़े मामले की जांच को लेकर शिवराज सरकार के एक मंत्री ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है. उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच कराने की मांग की है. अब सवाल उठ रहा है कि क्या गृह मंत्री अमित शाह मंत्री के इस पत्र की अनुशंसा कर सीबीआई जांच के आदेश देंगे? शिवराज सरकार के कृषि मंत्री कमल पटेल ने राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन से चंदा मिलने के बाद आयात में दी गई रियायतों के लिए तत्कालीन वाणिज्य मंत्री कमलनाथ की भूमिका को संदिग्ध बताते हुए पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने की मांग की है. कमल पटेल ने इसे लेकर केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है. अमित शाह को पत्र भेजकर कमल पटेल ने कहा कि चीन से सीमा विवाद के चलते कांग्रेस लगातार अनर्गल बयान दे रही है. वहीं मुख्यमंत्री शिवराज के मंत्री ने कहा कि मीडिया से मिल रही सूचनाओं के आधार पर चीन एवं तत्कालीन यूपीए सरकार के गहरे संबंध नकारे नहीं जा सकते.

ग्वालियर से प्रकाशित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

राष्ट्रीय मासिक पत्रिका,ऑनलाइन न्यूज़ चैंनल,पोर्टल,एंड्रॉयड ऐप

को

सम्पूर्ण भारत में नियुक्त करना है

ब्यूरो चीफ / रिपोर्ट्स

मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, आंध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, गोआ, कर्नाटक, केरल

आदि राज्यो के जिला एवं तहसील स्तर पर मनोनीत करना है।

संपर्क करें

कार्यालय : ए ब्लॉक,404 भाऊ साहब पोतनीस एंक्लेव,गोले का मंदिर ग्वालियर मध्यप्रदेश

सावन के प्रथम सोमवार को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

शिवपुरी, पुष्पेन्द्र राजपूत दिनारा

भौंती / भौंती टपकेश्वर महादेव मंदिर पर सावन के प्रथम सोमवार को मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ टपकेश्वर मुहार, मंदिर पर पहले सोमवार को सुबह से ही दर्शन करने और अभिषेक करने वाले श्रद्धालुओं की जमकर भीड़ उमड़ी। साथ ही उन्होंने बेलपत्र, दूध, दही, घी, पंचमृत, सहित विभिन्न पुष्पों मालाए पहनाकर भगवान से मनोकामनाएं पूर्ण करने की आराधना की गई।साथ ही इस मौके पर गोस्वामी शास्त्री ने बेलपत्र का महत्व बताते हुए कहा कि बेलपत्र जिस पेड़ पर लगता है वह शिवद्रुम भी कहलाता है। बिल्व का पेड़ संपन्नता का प्रतीक होने के साथ पवित्र तथा समृद्धि देने वाला है। बेल के पत्ते शंकर जी का आहार माने गए हैं, इसलिए भक्त लोग बड़ी श्रद्धा से इन्हें महादेव पर चढ़ाते हैं। शिव की पूजा के लिए बेलपत्र बहुत जरूरी माना जाता है। शिव-भक्तों का विश्वास है कि पत्तों के त्रिनेत्र स्वरूप तीनों पर्णक शिव के तीनों नेत्रों को विशेष प्रिय हैं। दर्शन करने उमडी भक्तों की भीड़ ।

साक्षी लहारिया ने 10वीं में हासिल किए 96 प्रतिशत अंक

(अर्पित गुप्ता)

आलमपुर। भिण्ड जिले के आलमपुर नगर में संचालित संस्कार वैली पब्लिक स्कूल की छात्रा कुमारी साक्षी लहारिया पुत्री अजय लहारिया

साक्षी ने इंग्लिश मीडियम से टॉप कर किया नगर का नाम गौरवान्वित

निवासी आलमपुर ने कक्षा 10 वीं की वार्षिक परीक्षा में इंग्लिश मीडियम से 96त्न अंक अर्जित कर विद्यालय के साथ साथ टॉप कर नगर का नाम गौरवान्वित किया है।विद्यालय संचालन जितेन्द्र सिंह सोलंकी ने प्रतिभाशाली छात्र छात्राओं को बधाई दी है।वहीं साक्षी से बात करने पर उन्होंने बताया कि अभी उन्होंने ऐसा कुछ नही सोचा की वह क्या बनना चाहती हैं 12वी की परीक्षा देने के बाद वह तय करेंगी की उन्हें किस ओर जाना है।उन्होंने कहा है कि अगर उन्हें मौका मिला तो वह पापा के सपने को एक दिन जरूर पूरा करेंगी और अपने पापा का नाम जरूर रोशन करेंगी।

हत्या के आरोपी मुकुल पवैया खनेता सरपंच के भाई की जमानत खारिज

मोहन मांझी

गोहद। सहायक जिला अभियोजन अधिकारी/ मीडिया सेल प्रभारी प्रवीण सिंह सिकरवार द्वारा बताया गया कि फरियादी लल्लू कुशवाह पुत्र कैलाश कुशवाह निवासी खनेता ने बताया कि वह मजदूरी का काम करता है दिनांक 05/04/20 को गांव के किशनपाल तोमर के नाले वाले खेत पर किशनपाल के भाई देवेंद्र तोमर के साथ गेहूं की फसल काट रहा था करीबन 9~30 बजे की बात है कि तभी गांव के राघवेंद्र पवैया, जितेंद्र पवैया, विनोद पवैया बलवीर पवैया वीरेंद्र पवैया सुरेश पवैया भूरे पवैया मुकुल पवैया अनिल भैया एवं बंटी पवैया अपने अपने हाथों में बंदूक कट्टे, लाठी, फरसा लेकर एक राय होकर आए और जयेंद्र तोमर को गाली देकर बोले कि तुम खेत क्यों काट रहे हो तुमको गांव में नहीं रहने देंगे। जयेन्द्र तोमर ने गालियां देने से मना किया सोई राघवेंद्र पवैया ने हाथ में लिए 315 बोर की बंदूक से जयेन्द्र तोमर के ऊपर फायर किया जो गोली जयेन्द्र तोमर की छाती में दाहिने तरफ लगी चोट होकर खून बहने लगा और जयेन्द्र तोमर वहीं गिर गए तभी जितेंद्र पवैया ने फायर किया जो मेरे बाय पैर की जांघ में गोली लगी खून बहने लगा इतने में साथ में आये विनोद पवैया, बलवीर पवैया ने हाथ में लिए अधिया से मेरे ऊपर जान से मारने की नियत से फायर किए मैं लेट गया गोली सिर के ऊपर से निकल गई । गोलियों की आवाज सुनकर विकास तोमर अमित तोमर, अजीत तोमर भागकर आए जिन्हें देखकर सभी लोग भाग गए फिर विकास तोमर अमित तोमर, अजीत तोमर मुझे ओर जयेन्द्र तोमर को गाड़ी में रखकर ग्वालियर जे ए एच अस्पताल में इलाज के लिए लेकर आए । जहां पर डॉक्टर द्वारा चेक करने पर डॉक्टरों ने जयेंद्र को मृत घोषित कर दिया। मेरा इलाज चल रहा है जिसपर पुलिस थाना एंडोरी द्वारा अपराध क्रमांक 43/20 पर अपराध पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। विवेचना पश्चात चालान मान0 न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया दिनांक 06.07.2020 को अभियुक्त मुकुल पवैया द्वारा मान0 न्यायालय के समक्ष जमानत के लिये आवेदन प्रस्तुत किया गया था। विशेष लोक अभियोजन द्वारा इस जमानत आवेदन का मान0 न्यायालय के समक्ष विरोध किया गया और अपराध की गम्भीरता को देखते हुये मान0 न्यायालय से जमानत आवेदन निरस्त करने का निवेदन किया। मान0 न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के पश्चात् अभियोजन के तर्क से सहमत होते हुये अभियुक्त का जमानती आवेदन खारिज कर दिया।

पुलिस ने पकड़ी 55 लीटर कच्ची शराब जप्त

गोहद। गोहद चौराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम श्यामपुरा में एक युवक को 55 लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया जिसकी कीमत लगभग ?11000 है प्राप्त जानकारी के अनुसार चौराहा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि यह के वर्क कच्ची शराब का धंधा कर रहा है मुखबिर की सूचना मिलने पर पुलिस ने मुखबिर के बताए स्थान पर पहुंचकर हरमीत पुत्र बहादुर सिंह को अपने ही गांव श्यामपुरा थाना गोहद चौराहा में कुल कीमत लगभग 11000/ की कच्ची शराब के साथ आरोपी को गिरफ्तार किया गया उक्त कार्यवाही में चौराहा थाना प्रभारी वैभव तोमर सहायक उपनिरीक्षक राघवेंद्र सिंह तोमर प्रधान आरक्षक गोप सिंह यादव आरक्षक अमर सिंह राकेश राम कुमार राहुल एवं सैनिक सुदामा सहित थाने की टीम की अहम भूमिका रही।

सावन मास में बजरंग दल ने अंडा मीट बिरयानी की दुकान बंद कराने दिया ज्ञापन

विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल ब्रज प्रांत आगरा पश्चिम जिले के कार्यकर्ताओं ने पावन पवित्र सावन मास के पूरे महीने अंडा मीट बिरयानी की दुकान बंद कराने के संदर्भ में खेरागढ़ तहसील उप जिलाधिकारी महोदय को ज्ञापन देकर खेरागढ़ पूरी तहसील में दुकान बंद कराने का निवेदन किया जिसमें उपस्थित जिला अध्यक्ष रविंद्र परमार जिला मंत्री अचल रावत जिला संपर्क प्रमुख सत्येंद्र भारद्वाज विहिप जिला गोरक्षा प्रमुख राम कुमार तोमर जिला कार्यकारिणी सदस्य मुनेश चौहान प्रखंड अध्यक्ष रवि श्रीवास्तव प्रखंड प्रखंड कार्यकारिणी अध्यक्ष धर्मेंद्र सिकरवार प्रखंड अध्यक्ष सैया भूपेंद्र वर्मा प्रखंड मंत्री सैया अनिल सक्सेना जगनेर मंत्री राजेश उपाध्याय प्रखंड गौरक्षा प्रमुख हरिओम पचौरी प्रखंड उपाध्यक्ष गौरव शर्मा प्रखंड उपाध्यक्ष भरत पचौरी प्रखंड सह मंत्री पंकज हिन्दू प्रखंड सह मंत्री भूरा परमार प्रखंड उपाध्यक्ष जगनेर महेश जी प्रखंड गौरक्षा प्रमुख जगनेर जय शिव प्रखंड सह मंत्री जगनेर धर्मवीर प्रखंड संयोजक नीरज जगनेर खेरागढ़ नगर अध्यक्ष विनय गर्ग नगर मंत्री खेरागढ़ आशीषअग्रवाल बजरंगी सतीश बजरंगी लाखन आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे

मध्यप्रदेश शासन के मंत्रिमंडल में शामिल हुए सभी नए मंत्रियों को हार्दिक बधाई।

भिंड । भारतीय नमो संघ सोशल मीडिया महिला इकाई की प्रदेश प्रभारी पूनम पांडे ने सम्पूर्ण जन-सामान्य को विश्वास दिलाया है कि प्रदेश की तरक्की और विकास के लिए आप सब माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी, माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे.पी.नड्डा जी एवं माननीय मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान जी के मार्गदर्शन में कंधे से कंधा मिलाकर निरंतर कार्यशील रहेंगे। आप सभी को शुभकामनाएं।

तहसील खेरागढ़ में राशन डीलरों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

पुष्पांजली टुडे तहसील खेरागढ।

ब्लॉक खेरागढ़ के सभी डीलरों ने उप जिला अधिकारी महोदय जी को दीया ज्ञापन राशन डीलर संघ के अध्यक्ष ने बताया की हम सब मिलकर इस्तीफा देना चाहते हैं क्योंकि हमें वितणन गोदाम से खाद्यान्न कम मात्रा में दिया जा रहा है हम सभी उचित दर विक्रेता संबंधित वितणन गोदाम से अनाज के विपणन खेरागढ़ द्वारा पूरी मात्रा ना दिए जाने एवं दुर्व्यवहार से परेशान हैं माननीय मुख्यमंत्री जी की मनसा के अनुरूप पूर्ण खाद्यान्न वितरण कर क्षेत्रीय कार्ड धारकों को संतुष्ट करना चाहते हैं परंतु वितणन निरीक्षक की हट के कारण माननीय मुख्यमंत्री जी की मनसा पूर्ण ना कर पाने की स्थिति में प्रार्थी गण सामूहिक रूप से त्यागपत्र दे रहे हैं।

सृष्टि के प्रथम राजा महाराज दक्ष प्रजापति की जयंती डबरा में बड़ी धूमधाम से मनाई गई

डबरा। 5 जुलाई 2020 रविवार अयोध्या कॉलोनी पिछोर तिराहा डबरा जिला ग्वालियर में वैश्विक महामारी कोरोना से बचाव एवं लॉक डाउन और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए डबरा पर गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व एवं सृष्टि के प्रथम राजा महाराज दक्ष प्रजापति जयंती पर गुरु पूजन एवं महाराज दक्ष प्रजापति की तस्वीर का पूजन कर माल्यार्पण के साथ सामूहिक आरती उतार कर महाराज दक्ष प्रजापति जयंती का आयोजन किया गया। इसी अवसर पर गुरु रतनदास महाराज 108 डांगवाली माता संदलपुर आंतरी राष्ट्रीय सचिव माननीय ख्यालेन्द्र प्रजापति जी एवं संभागीय अध्यक्ष आदरणीय मनीष कुम्भकार जी का माल्यार्पण एवं शॉल श्री फल से सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजक जिला महासचिव प्रमोद प्रजापति ने सम्पूर्ण कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रवि प्रजापति रिपोर्टर, मुन्ना प्रजापति रौरा, भागीरथ प्रजापति आंतरी, सोनू सिंह गोबरा, रतनलाल प्रजापति आंतरी, किशोरीलाल प्रजापति भैंसनारी, रवि झोकोतिया, जगदीश प्रजापति जंगीपुरा, प्रेमनारायण प्रजापति डबरा, कमलेश प्रजापति (शिक्षक), अशोक सिंह, मुन्ना प्रजापति, चंद्रप्रकाश प्रजापति गुप्तापुरा, प्रीतम प्रजापति, जीतेंद्र प्रजापति बिजलीघर सिमरिया आदि समाज बंधु उपस्थित थे।

बडोनी थाना प्रभारी रविन्द्र शर्मा की अनूठी पहल

विगत 05 साल से पृथक- पृथक रह रहे पति पत्नी को कराया एक बेटे को मिला पिता का साया

संदीप प्रधान

दतिया। श्रीमती जसोदा कुशवाह पुत्री रामलाल कुशवाह निवासी नयागांव विजयपुर की शादी 07 साल पहले गोविंद सिंह कुशवाह पुत्र गणपत कुशवाह उम्र 28 साल निवासी ग्राम सहदोरा से हुई थी घरेलू विवादों तथा आपसी लड़ाई झगड़ो के कारण जशोदा विगत 05 साल से अपने 06 साल के लड़के को

लेकर अपने मायके रह रही थी । महिला ने थाना प्रभारी बडोनी रविन्द्र शर्मा को अपने बेटे रोहन को पिता का हक दिलाने संबंधी आवेदन दिया था जिस पर थाना प्रभारी बडोनी रविन्द्र शर्मा सउनि महेश श्रीवास्तव,प्र आर किशोरी मिश्रा ने अविलंब पति पत्नी को सपरिवार बुला एक कराया जिस से 06 साल के रोहन को पिता का साया मिला और फिर से परिवार एक हो गया।

जनता की सेवा करना मेरी पहली प्राथमिकता

पाली। विश्वव्यापी महामारी के चलते पाली उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत वडेर वास के उप सरपंच गणेश राम सिरवी ने आज पत्रकारों को बताया कि कोविड-19 के चलते ग्राम पंचायत एवं समस्त भामाशाह का महत्वपूर्ण सहयोग ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण ग्राम पंचायत क्षेत्र के राजस्व गांवों में सैनिटाइजर का छिड़काव समय-समय पर किया गया ग्राम पंचायत द्वारा संपूर्ण नरेगा श्रमिकों को प्रतिदिन नरेगा श्रमिक मास्टर रोल मेट द्वारा विश्वव्यापी महामारी को रोकने के लिए सोशल डिस्टेंस के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी जा रही यह जानकारी आज ग्राम पंचायत वडेर वास के उपसरपंच गणेश राम सिरवी ने बताया कि विश्वव्यापी महामारी के समय उनका महत्वपूर्ण सहयोग रहा आज सिरवी ने बताया कि ग्राम पंचायत गरीब जनता के हर समय सहयोग के लिए खड़ी हैं और ग्राम पंचायत आगामी मानसून की स्थिति को देखकर जलभराव के संकट को दूर करने के लिए ग्राम पंचायत द्वारा जलभराव की क्षमता को कम किया जाएगा विश्वव्यापी महामारी के समय में उप सरपंच द्वारा जरूरतमंद परिवार को खाद्य सामग्री वितरण की जिसमें आज जिले के पहले ऐसे उपसरपंच होंगे जो खुद विकलांग होकर आज मानव जीवन की रक्षा करने के लिए उनकी ओर से गरीब वर्ग के परिवार को भोजन सामग्री के कीट बनाकर वितरण किए ग्राम पंचायत के संपूर्ण प्रशासनिक अधिकारी एवं सरपंच ग्राम पंचायत विकास अधिकारी रोजगार सहायक सचिव एएनएम शिक्षा विभाग के अधिकारी सफाई कर्मी इन सभी का कोविड-19 के बीते समय में महत्वपूर्ण योगदान रहा आज ग्राम पंचायत विश्व की भयंकर महामारी की स्थिति को नियंत्रण रखने में ग्राम पंचायत सफल साबित हुई ग्राम पंचायत क्षेत्र के सभी राजस्व गांवों में चिकित्सा विभाग के सभी अधिकारियों का हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा और गणेशराम सिरवी ने बताया कि जनता से ग्राम पंचायत द्वारा बार-बार अपील की जा रही कि विश्वव्यापी महामारी को रोकने के लिए सामाजिक दूरी बनाए रखना अपने स्वस्थ जीवन को आगे बढ़ाना इस प्रकार से संकल्प के साथ स्थानीय पुलिस प्रशासन का भी पूर्ण रूप से सहयोग करें और सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों की पालना करें

जमीन पर जबरदस्ती कब्जा

हरिओम परिहार

तहसील खनियाधाना के क्षेत्र से मामला सामने आया है जमीन पर जबरदस्ती कब्जा कर लिया है बाद मैं जान सेमारने की धमकी दी और जबरदस्ती फसल बोई जहां रोकने गयाभूमि स्वामी किसान वृंदावन लोधी सन ऑफ मजबूत सिंह लोधी गया तो उसको मां बहन की गाली देकर प्रताड़ित कर दिया और उससे थाना मायापुर में रिपोर्ट की कोई सुनवाई नहीं हुई और एसडीएम महोदय को आवेदन दिया कोई सुनवाई नहीं हुई यहां डीजे कार्यालय पर आवेदन भेजा कोई सुनवाई नहीं हुई जहां आईजी कार्यालय आवेदन भेजा गया कोई सुनवाई नहीं हुई उस किसान के साथ इतना अत्याचार हो रहा है वह अपना घर का कैसे भरण पोषण कर पाएगा ।

कोविड-19 के सभी योद्धाओं का सम्मान ही हमारी जीत होगी

पाली। कोराना वायरस की संकट की स्थिति के दौरान दिन-रात अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं देने वाले सभी प्रशासनिक अधिकारी एवं भामाशाह तथा पत्रकार बंधुओं का विश्वव्यापी महामारी को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान रहा आज पाली उपखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत=चाचोडी=मैं आज बाली पंचायत समिति के पूर्व प्रधान शोभा सोलंकी द्वारा एक सेवानिवृत्त कार्यक्रम के तहत कोराना योद्धाओं का सम्मान किया गया जिसमें ग्राम पंचायत के सभी वार्ड पंच सरपंच एवं प्रशासनिक अधिकारी पत्रकार और भामाशाह का सम्मान के साथ सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया आज सेवानिवृत्त कार्यक्रम के तहत रानी उपखंड क्षेत्र के निवासी घीसुलाल बामणिया विकास अधिकारी के पद से सेवानिवृत्त होकर पहली बार अपने ग्राम वापसी में एक सम्मान पूर्वक समारोह रखा गया जिसमें वरिष्ठ अतिथि के रूप में शोभा सोलंकी शिशुपाल सिंह निंबाड़ा चंदन सिंह राजपुरोहित जेके राठौड़ पूर्व प्रधान पंचायत समिति रानी बाबू सिंह राणावत वरिष्ठ अतिथियों में इंद्र सिंह राजपुरोहित रूप सिंह राजपुरोहित

पीराराम देवासी मोहन सिंह राव लक्ष्मण मेघवाल भगवान लाल बामणिया ललित बामणिया प्रवीण सिंह राजपुरोहित देसूरी विधानसभा के पूर्व विधायक आत्मा राम मेघवाल इन सभी को आज कोराना सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया जिसमें सेवानिवृत्त विकास अधिकारी घीसू लाल बामणिया का स्वागत ग्राम पंचायत के सरपंच पूनम सिंह राजपुरोहित द्वारा किया गया सरपंच प्रतिनिधि सरवन सिंह राजपुरोहित ने बताया कि आज ग्राम पंचायत का ऐतिहासिक दिन माना जाएगा जो ग्राम पंचायत के विकास के कार्यों को आगे बढ़ाते बढ़ाते 36 वर्ष तक अपनी सेवाएं देकर आज अपने ग्राम वापसी शोभा सोलंकी द्वारा सभी को सम्मान पत्र के साथ सम्मानित करने के बाद बताया कि आप सभी का सम्मान ही हमारी विश्वव्यापी महामारी में जीत होगी बाहर से आए हुए सभी वरिष्ठ जाने-माने राजनेताओं का बामणिया परिवार की ओर से माला और साफा पहनाकर उनका स्वागत किया गया संपूर्ण ग्राम वासियों की ओर से जगह-जगह पर सेवानिवृत्त विकास अधिकारी घीसू लाल का अलग-अलग जगह पर स्वागत किया गया सेवानिवृत्त अधिकारी बामणिया ने संपूर्ण ग्राम वासियों को बताया कि आपने जिस प्रकार आज हमारा सम्मान किया आज के सम्मान को हमेशा याद रखा जाएगा

प्रदेश के लिये 5.75 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया की मांग

मुख्यमंत्री चौहान की केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री से मुलाकात

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री श्री डी.वी. सदानंद गौड़ा से नई दिल्ली में मुलाकात कर राज्य के लिए अतिरिक्त यूरिया आवंटन का अनुरोध किया। श्री चौहान ने कुल 5.75 लाख मीट्रिक टन अतिरिक्त यूरिया राज्य के लिए शीघ्र आवंटन करने की मांग की। श्री चौहान ने बताया कि माह जुलाई के लिए डेढ़ लाख मीट्रिक टन यूरिया और अगस्त से सितम्बर तक के लिए 4.25 लाख मीट्रिक टन यूरिया आवंटन की आवश्यकता है। केन्द्रीय मंत्री श्री सदानंद गौड़ा ने राज्य को अतिरिक्त यूरिया का कोटा बढ़ाने का आश्वासन दिया और साथ ही प्रदेश में रैक प्वाइंट्स बढ़ाने की सहमति दी। उल्लेखनीय है कि खरीफ 2020 के लिए केन्द्र सरकार ने 11 लाख मीट्रिक टन यूरिया देने पर सहमति जतायी थी। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में 45 प्रतिशत अधिक वर्षा हो चुकी है। इसके परिणामस्वरूप 72 लाख हैक्टेयर क्षेत्र की बुआई हो चुकी है। अच्छी वर्षा और जल्दी बुआई होने के फलस्वरूप प्रदेश में यूरिया के वितरण में विगत वर्षों की तुलना में 23 प्रतिशत की वृद्धि अनुमानित है। श्री चौहान ने कहा कि कोविड 19 के कारण इंदौर, खण्डवा, छिन्दवाडा और इटारसी के रैक प्वाइंट्स पर अनलोडिंग पर अधिक समय लगने के कारण प्रदेश के अन्य जिले में यूरिया प्रदाय प्रभावित हुआ है। श्री चौहान ने प्रदेश में रैक प्वाइंट बढ़ाने की मांग की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने केन्द्रीय मंत्री को राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित दो पुस्तिकाओं– 'उम्मीद' और 'मध्यप्रदेश विकास के प्रतिबद्ध प्रयास' की प्रतियाँ भेंट कीं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मध्यप्रदेश के बासमती चावल को जी. आई टैग दिलवाने के संबंध में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर को अनुरोध पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की उपराष्ट्रपति से भेंट

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में उप राष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू से मुलाकात की। श्री चौहान की माह मार्च 2020 में मुख्यमंत्री बनने के उपरांत राष्ट्रपति से यह पहली मुलाकात थी। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उपराष्ट्रपति को प्रदेश में इस वर्ष हुए बम्पर गेहूँ उपार्जन की जानकारी दी और राज्य सरकार ने कोरोना नियंत्रण एवं प्रवासी श्रमिकों के कल्याण के लिए उठाये गये कदमों से अवगत कराया। अस मौके पर मुख्यमंत्री श्री चौहान ने राज्य सरकार द्वारा प्रकाशित दो पुस्तिकाओं 'उम्मीद' और 'मध्यप्रदेश–विकास% के प्रतिबद्ध प्रयास' की प्रतियां उपराष्ट्रपति को भेंट की।

तेन्दुआ खाल सहित तीन गिरफ्तार

भोपाल । वन विभाग की वाइल्ड लाईफ क्राइम कन्ट्रोल ब्यूरो जबलपुर औरछत्तीसगढ़ वन विभाग की संयुक्त टीम ने तीन व्यक्तियों को वन्य प्राणी तेन्दुआ की खाल और अन्य अंगों के साथ गिरफ्तार किया है। वन्य प्राणी अवययों का अन्तर्राज्यीय अवैध कारोबार करने वाले डिण्डोरी निवासी रामसिंह और भगवानी तथा अनूपपुर निवासी शक्ति सिंह को डिण्डोरी जिले में अमरकंटक रोड ग्राम जगतपुर से गिरफ्तार किया। मध्यप्रदेश वन्य प्राणी मुख्यालय को इन अपराधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। तीनों आरोपियों को विशेष टीएसएफ न्यायालय जबलपुर में पेश किया जा रहा है। प्रथम दृष्ट्या इसमें एक संगठित गिरोह शामिल होने के साक्ष्य मिले हैं, जिसकी विवेचना की जा रही है।

21 हजार से अधिक बिजली शिकायतों का मौके पर निराकरण

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निराकरण के लिये शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उपभोक्ताओं को मुख्यत: विलंब से बिलों का वितरण, बिल प्राप्त न होना, अधिक बिल राशि, मीटर वाचन देरी से होना, गलत रीडिंग होना, ऑनलाइन बिल जनरेट न होना, ऑनलाइन की गई पेमेंट न दिखना, विद्युत प्रदाय, नवीन कनेक्शन, भार वृद्धि सहित अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए अब तक 1472 शिविर लगाये जा चुके हैं। इन शिविरों में 23 हजार 971 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से 21 हजार 243 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही किया जा चुका है। शेष शिकायतों के निराकरण की प्रक्रिया जारी है। शिविरों का आयोजन 8 जुलाई तक होगा।

मंत्री डॉ. मिश्रा ने पत्रकार सिंह की कुशलक्षेम जानी

भोपाल। गृह, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने नवदुनिया के स्थानीय संपादक श्री धनंजय प्रताप सिंह से उनके निवास पर पहुँचकर मुलाकात की। उन्होंने उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी प्राप्त की। मंत्री डॉ. मिश्रा ने उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि श्री सिंह शीघ्र ही अपने कार्य स्थल पर उपस्थित होंगे।

प्रदेश में हर माह हो रही औसतन तीन बाघों की मौत

भोपाल । मध्यप्रदेश पर इन दिनों टाइगर स्टेट का दर्जा छीनने का खतरा पैदा होता दि रहा है। इसकी वजह है बीते कुछ माह के दौरान औसतन हर माह कम से कम तीन बाघों की मौत होना है। इसस माना जाने लगा है कि अब प्रदेश में बाघ सुरक्षित नहीं रह गए हैं। अगर वन विभाग के आंकड़ो को देखें तो बीते तीन माह में ही 10 बाघों की मौत हो चुकी है। उधर बीते दिन भी पन्ना टाइगर रिजर्व में रेडियो कॉलर युक्त 10 वर्षीय एक बाघिन मौत का शिकार हो चुकी है। इसका बाघिन का शव पन्ना कोर क्षेत्र के तालगांव सर्किल में ट्रेकिंग दल को मृत हालत में मिला है। फिलहाल बाघिन की मौत कैसे व किन परिस्थितियों में हुई, अभी पता नही चल सका है। यह मृत बाघिन पी213 के नाम से चहचानी जाती थी। तालगांव रेस्ट हाउस में आराम फरमाते हुए इस बाघिन की फोटो बीते माह सुर्खियों में रह चुका है। स्वभाव से बेहद सीधी और पर्यटकों को सहजता से दिख जाने वाली इस बाघिन को लोग पन्ना की रानी कहकर पुकारते थे। इससे पूर्व बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक बाघ शावक का शव मिल चुका है। उसकी उम्र आठ माह थी। यहां बीते कुछ समय में तीन बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें एक बाघ की मौत की वजह अपनी टेरटरी को लेकर दूसरे बाघ से हुई लड़ाई की वजह बताई गई है। इसके अलावा दो बाघों की मौत की वजह बीमारी बताई जा रही है।

मैं दुर्गा की बेटी, शेर की सवारी करती हूं: उमा भारती

-सिंधिया ने राजमाता की इच्छा पूरी की

भोपाल । प्रदेश में टाइगर पर हो रही राजनीति पर पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने सांसद और पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पर निशाना साधते हुए कहा कि 2003 में ट्रेंकुलाइजर गन से राघोगढ़ के शेर को बेसुध कर दिया था। मैं दुर्गा की बेटी हूं, शेर की सवारी करती हूं। साध्वी ने यह बात उज्जैन में बाबा महाकाल के दर्शन के बाद मीडिया से बात करते हुए कही। उन्होंने कहा कि मप्र में कांग्रेस की सरकार थी ही नहीं वह अस्तित्व खो चुकी थी। कमलनाथ अपने विधायकों और नेताओं के कारण असहाय हो गए थे। अभी प्रदेश में एक ऐसा मुख्यमंत्री है जो पूरे राज्य की रग–रग को समझता है। वो हर घर में एक सदस्य की तरह स्थापित हो चुका है। सिंधिया को लेकर कहा कि उन्हें बहुत पहले आ जाना चाहिए था। उन्हें कांग्रेस में होना ही नहीं चाहिए था। यह राजमाता की भी इच्छा थी। वे तो चाहती थीं कि माधवराव ही जनसंघ में आ जाएं। उन्होंने अपनी दादी की इच्छा पूरी की है। मलाईदार विभाग को लेकर कहा कि आप किसी भी विभाग को मलाईदार क्यों कह रहे हैं। जो पार्टी में आ गए हैं, उन्हें भी यही कहूंगी कि खबरदार यदि किसी विभाग को मलाईदार समझा। हमें प्रधानमंत्री ने बताया है हम चौकीदार हैं। ज्योतिरादित्य के कारण आपकी नैया पार लग गई। हमारे यहां सब सेवक होते हैं, यहां मलाई नहीं होती, पसीना होता है। हमारे पास जो जिम्मेदारी है वह सेवा करने के लिए है। करीब साढ़े छह साल हो गए मोदी जी की सरकार को आज तक एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। सिंधिया का जीवन निशकलंक रहा है। टाइगर वाली राजनीति पर कहा कि मैंने तो राघोगढ़ के शेर को ट्रेंकुलाइजर गन 2003 में ऐसी गोली चलाई के वे बेसुध ही रह गए। मैं तो दुर्गा की बेटी हूं, वे तो शेर की सवारी करती हैं। कैलाश जी को लेकर कहा कि वे स्वयं कैलाश हैं, उनकी भव्यता और गरिमा कभी किसी चीज से कम नहीं होती। बंगाल का टाइगर दहाड़ मारेगा तो मप्र भी हिल जाएगा। मप्र के मंत्रिमंडल को लेकर कहा कि शुरुआत में शिवराज और मुझमें थोड़ा संकोच का माहौल था, लेकिन अब हम सगे भाई बहन की तरह हैं। बीडी शर्मा तो मेरे बहुत करीबी हैं। शिवराज और शर्मा से मैं सीधे बात करती हूं कि मीडिया के जरिए उन्हें थोड़े ना कोई संदेश दूंगी। खुद के रोल को लेकर कहा कि पार्टी जो कहेगी वहीं करूंगी। अभी मेरे पास गंगा का काम है वह कर रही हूं। मैं जंगल से जैसे मोगली को पकड़कर लाए थे ना वैसे ही हूं। मोगली को जो काम दोगे वो करेगा, क्योंकि वह जंगल में शेर के बीच रहा है, किसी से डरेगा तो नहीं। शिप्रा नदी को लेकर कहा कि शिप्रा जहां से निकली हैं उसे यहां तक लाया जाए। मैंने एक प्रोजेक्ट भी बनाया था। शिवराज सिंह ने इस बारे में बात हुई थी। हम शिप्रा को उज्जैन तक लाएंगे, क्योंकि शिव का एक जलधारा से संबंध है। बाबा को शिप्रा की धारा हम जल्द से जल्द लाने की कोशिश करेंगे। यदि कोई रास्ता नहीं निकला तो कार सेवा कर यहां तक लाएंगे। उपचुनाव को लेकर कहा कि प्रदेश में कांग्रेस का वजूद खत्म हो गया है। हम सभी 24 सीट जीतने वाले हैं।

सोमवार को पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती बाबा के दर्शन के लिए महाकाल मंदिर पहुंची। उन्होंने दर्शन, पूजन और अभिषेक किया।

मंगलवार 7 जुलाई 2020

दैनिक पुष्पांजली टुडे

संपादकीए

कोरोना पसार रहा पैर

देश में इस समय अनलॉक-2 जारी है। बाजार पूरी तरह खुल चुके हैं और कोरोना का डर लोगों में लगभग न के बराबर है। मगर देश में कोरोना संक्रमण के मामले जिस तेजी से बढ़ रहे हैं, उससे तो लगता है कि फिलहाल महामारी का कहर थमने वाला नहीं है। अब तो मरीजों की संख्या का आंकड़ा 26 हजार को पार करता जा रहा है। रोजाना बढ़ते आंकड़े चिंता पैदा करने वाले हैं। हालात बता रहे हैं कि अगर बीमारी को फैलने रोकना है तो हर स्तर पर कोरोना से मिलकर निपटना होगा और सबसे ज्यादा जोर बचाव के उपायों पर देना होगा। इसमें सरकारों के स्तर पर प्रयास के साथ ही नागरिकों और सामुदायिक स्तर पर भी कोशिशें करनी होंगी। महामारी से निपटने के लिए जिस तरह से काम होना चाहिए, वह हो नहीं पा रहा है और इसका नतीजा संक्रमितों को भुगतना पड़ रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि पहले के मुकाबले अब देश भर में कोरोना संक्रमितों की जांच के काम में तेजी आई है और अब तक एक दिन में दो लाख जांच होने का रिकार्ड भी बन चुका है। इसलिए संक्रमितों की तादाद तेजी से बढना स्वाभाविक है। इसके बावजूद कुछ हद तक संतोषजनक बात यह है कि भारत में मरीजों के स्वस्थ होने की दर भी बढ़ी है। लेकिन चिकित्सकों के सामने अभी बड़ी चुनौती बिना लक्षण वाले मरीजों को लेकर बनी हुई है। आंध्र प्रदेश में बिना लक्षण वाले मरीजों की मौत नया रहस्य बनकर आई है। चिंता का एक विषय यह भी है कि पिछले तीन महीने में देश के कई हिस्सों से जो करोड़ों श्रमिक पलायन करके अपने गांवों को लौटे हैं, अगर उनकी समुचित जांच नहीं हुई तो संक्रमण कहीं व्यापक स्तर पर फैल न फैल जाए। ऐसा होने पर हालात से निपटने के लिए हमारे पास संसाधन कम पड़ सकते हैं। यह पूरे देश के स्वास्थ्य तंत्र की विडंबना ही है कि ज्यादातर अस्पताल शहरी इलाकों में हैं। इसलिए राज्य सरकारों को चाहिए कि वे कोरोना से निपटने के लिए अब अपने स्तर पर कार्य योजनाएं बना कर उन पर कारगर तरीके से अमल करें और ग्रामीण क्षेत्रों पर विशेष रूप से ध्यान दें। महामारी के संकट काल में इसे सबसे सुखद खबर माना जाना चाहिए कि भारत कोरोना का स्वदेशी टीका बनाने की ओर है। हालांकि, इसकी तारीख को लेकर असमंजस जरूर है, मगर भारत के लिए यह काम इसलिए भी असंभव नहीं है कि क्योंकि चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में भारतीय प्रतिभाओं ने पूरी दुनिया में अपनी कामयाबी के झंडे गाड़े हैं। ऐसे में दुनिया के कई देश भारतीय वैज्ञानिकों से भी बड़ी उम्मीदें लगाए हुए हैं। कोरोना के नए टीके की खोज की दिशा में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और भारत बायोटेक मिलकर कर रहे हैं और कामयाबी के काफी करीब पहुंच चुके हैं। कोरोना महामारी ने दुनिया में एक करोड़ से ज्यादा लोगों को अपनी जद में ले लिया है और पांच लाख से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। कोई दवा या इलाज नहीं हो पाने की वजह से सिर्फ बचाव के तरीकों से ही महामारी से लड़ा जा रहा है। कोरोनाविषाणु को लेकर जो नई-नई जानकारियां मिल रही हैं और जिस तेजी से यह विषाणु नए-नए रूपों में परवर्तित हो रहा है, वह भी चिकित्सा विज्ञानियों के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। इससे मुश्किल यह खड़ी हो गई है कि बीमारी के नित नए लक्षण सामने आ रहे हैं। ऐसे में कोरोना की कोई एक अचूक दवा खोज निकालना आसान काम नहीं है। अभी तक दुनियाभर में बुखार, इंफ्लूएंजा या फिर एड्स की दवाओं से ही संक्रमितों को ठीक करने की कोशिशें चल रही हैं। पर कहीं कोई बड़ी सफलता हाथ नहीं लगी है। इसलिए जब तक कोई जांचा परखा इलाज नहीं खोज लिया जाता, तब तक महामारी के चंगुल से निकल पाना संभव नहीं है।

निजी शिक्षक करें पुकार, अब मेरी सुनो सरकार।

देश में कोरोना वायरस के कारण लगे लॉक डाउन के बाद अनलॉक के दुसरे चरण में धीरे धीरे सभी उद्योग-धंधे खुल गए है और लगभग सब अपनी दिनचर्या के अनुसार अपना काम करने लगे है लेकिन शिक्षा तंत्र अभी भी अनिश्चितता के भँवर में गोते खा रहा है। शिक्षा में अनिश्चितता की अगर बात करें तो अभिभावकों, संचालकों और सरकारों का पक्ष अपनी जगह सही है हमें उनकी शंका और सच्चाई को भी स्वीकार करना होगा।अभिभावक अपने लाड़ले का भविष्य खतरे में नहीं डालना चाहेंगे, सरकार संक्रमण से बचाव में लगी है और संचालक सरकारों के आदेशों के इंतजार में है। पूरे देश मे अनाधिकृत रूप से जारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 11 लाख निजी शिक्षक बेरोजगारी के शिकार हो चुके है। और लगभग लाखों में छोटी मोटी शैक्षणिक संस्थाओं के अभी भी ताला लटका हुआ है।छोटे स्तर के स्कूल संचालक आर्थिक रूप से टूटने के साथ मॉनसिक रूप से भी टूटने लगें है।कड़वी सच्चाई यह भी है कि स्कूले जरूर बन्द पड़ी है पर संचालकों को बस की किश्ते, भवन किराया और कर्मचारियों का वेतन भी भुगतान करना है ।इस सच को भी स्वीकार करना होगा कि देश मे कोरोना महामारी में कई संचालकों ने अपनी क्षमता और शक्ति से अपने कर्मचारियों को संभाला भी है।लेकिन केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों की असहयोग की नीति से असफल हो गए।चार माह से बन्द पड़ी संस्थाओं को सुचारू करने के लिए किसी भी प्रदेश की सरकारों की तरफ से कोई योजना सामने नहीं आई है। हम तार्किक रूप से कहे कि कोरोना महामारी की सबसे भयानक चोट शिक्षा तंत्र पर पड़ी तो कोई अतिश्योक्ति नहीं होगी इससे निजी शिक्षक और संचालको को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।अभी कोरोना के व्यापक प्रसारण के चलते निजी शिक्षक व संचालक भविष्य को लेकर खासे चिंतित है। 31 जुलाई तक इस बार निजी विद्यालय का रूटीन पूरी तरह से बिगड़ा हुआ है छात्रों के साथ शिक्षकों का भविष्य रूपी सूरज कोरोना के काले बादलों के पीछे छिपा हुआ है जिस पर से अफवाहों के बादल कब हटेंगे कुछ कह नहीं सकते। इस महामारी के कारण हर वस्तु के दाम बढ़ रहे है प्रत्येक चीज महंगी हो रही है । विडम्बना स्वरूप निजी शिक्षक की आमदनी कोरोना के कारण निश्चित रूप से घटी है ऐसे में उसके गृहस्थी की गाड़ी को चलाना वर्तमान दौर में काफी चुनौतीपूर्ण हो गया है।केंद्र के मानव संसाधन मंत्रालय को जरूर इस बात मंथन करना चाहिए कि आर्थिक रूप से टूटे निजी क्षेत्र के शिक्षा विभाग को कैसे आर्थिक सहायता देकर पुनः खड़ा किया जाय। केंद्र और राज्य सरकारों को निजी संचालकों और निजी शिक्षकों के लिए ऐसी कोई आर्थिक सहायता योजना जरूर लानी चाहिए जिससे वो संभल सकें।केंद्र सरकार को प्रदेशों की राज्य सरकारों को जरूर निर्देशित करना चाहिए कि निजी विद्यालयो का अटका हुआ आरटीई का भुगतान समय पर कर दे जिससे उनको काफी हद तक राहत मिल सकें। न्यूनतम आर्थिक सहायता दर भी तय करके भुगतान करें ताकि सुख से अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें।सकारात्मक सोच के साथ अगर निजी स्कूलों और शिक्षकों की वास्तविक समस्याओं पर आत्मिक रूप से मंथन करें तो सरकारों के लिए किसी समस्या का समाधान करना कोई बड़ी बात नहीं है।

गुलाब कुमावत, साँचोर, (राजस्थान)

जीवन अपना है

हम स्वभावतः उसकी नकल करते हैं जो हमें अच्छा लगता है। उसके व्यक्तित्व से हम इतना प्रभावित रहते हैं कि उसकी जीवन शैली को अपना आदर्श बना लेते हैं। इसी के चलते हम अपनी रुचि को भी उसी के ऊपर थोप देते हैं। ऐसा करने में हम यह भूल जाते हैं कि उसकी और हमारी शारीरिक और मानसिक क्षमता अलग-अलग है। हमें अपना जीवन अपनी सामर्थ्य के अनुसार जीना चाहिए। भोजन और वस्त्र क्या, हमारी अपनी शरीर की मांग अपनी रुचि और अपनी पाचन शक्ति के अनुसार होना चाहिए। यह ठीक है कि हम तभी सुंदर होंगे जब हम दूसरों को सुंदर लगेंगे। हमारा वस्त्र, हमारा आचरण कैसा लग रहा है - सुंदर है या असुंदर, यह दूसरे ही बता सकते हैं लेकिन हमें तदनुसार अपने को कैसे ढालना है यह हमारे ऊपर होना चाहिए। दूसरों की दृष्टि महत्व पूर्ण होती है। परंतु अपनी रुचि भी कम नहीं होती। हम अपनी रुचि की उपेक्षा करके दूसरों की रुचि के अनुसार कैसे रह सकते हैं। इसके अलावा भी, हमें अपनी परिस्थिति देखनी पड़ती है। हमें अपने पैर अपनी चादर के अनुसार फैलाना चाहिए। यदि चादर थोड़ी कम लंबी है तो परों को थोड़ा सा समेटना आवश्यक होता है। दूसरों की मर्जी से तो उधार की जिंदगी जी जाती हैं। अधिकतर ऐसा होता है कि हम दूसरों द्वारा निर्धारित मापकों के अनुसार जीने की कोशिश करते हैं। अपनी रुचि और स्वभाव को नजर अंदाज कर देते हैं। हमें देसरों के विचारों का स्वागत करना चाहिए लेकिन अपनी जिंदगी को पराया बना के नहीं। जब अपनी जिंदगी से हमीं खुश नहीं रहेंगे तो दूसरे कैसे खुश रह सकते हैं ? इसलिए हमें जो रुचिकर लगे करना चाहिए, लेकिन अनुचित करने से बचना चाहिए । जिंदगी हमारी है। इसे सुंदर कैसा बनाना है यह हमारी ईच्छा पर निर्भर करता है। सभी लोग जानते है कि दूसरों की भलाई, दूसरों से प्रेम और सौहार्द्र और सहयोग अच्छा होता है। पर, दूसरे तो तब आते हैं जब हम अपनों के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी से मुक्त हों। अपनी परिवार को अठोचित प्यार न देकर यदि हम प्यार बांटते फिरे तो लोग क्या हहेंगे । यह कैसा लगेगा कि हम अपने परिवार को भूखा छोडकर दूसरों की भूख मिटाते फिर रहे हैं। । क्या हमें अपनी अंतर आत्मा क्षमा करेगी ? जीवन सफल तभी होता है जब हम अपने परिवार को पूरी तरह संतुष्ट रखें। हमारे बारे में दूसरों की राय हमारे परिवार से बड़ी नहीं होती। श्रवण कुमार ने अपनी माता-पिता को कंवर में बैठा कर तीर्थाटन कराने गए थे। उन्होंने दूसरों की हंसी या उनकी राय की परवाह नहीं की। इसलिए अपनी जिंदगी अपनी इच्छा से बिना किसी किसी टकराव या तनाव के यापन करिए लेकिन इसके लिए किसी की ईच्छा को कुचलिए नहीं।

प्रफुल्ल सिंह ÷बेचैन कलम÷
शोध प्रशिक्षक एवं
साहित्यकार
लखनऊ, उत्तर प्रदेश

पहली बारिश

पहली बारिश का आनंद , कुछ और है।
छूकर निकले ठोढ़ी को , शरबती हवाएँ।
पल भर में मिले जैसे ,
कुदरती दुआएँ। धारित्री से उठी सुगंध , कुछ और है।
पहली बारिश....
बादल की गड़-गड़ाहट, एक तालबद्ध संगीत।
रिम-झिम रिम-झिम स्वर, एक लयबद्ध गीत।
लेखनी से निकला छंद, कुछ और है।
पहली बारिश....
हरित परिधानों में सजते, बरगद बबूल बेर।
फुदक रही है गौरैया, भीगा काग मुंडेर।
मयूर की आँखों का अनुबंध , कुछ और है।
पहली बारिश....
याद दिलाता बचपन का , निश्छल-कोमल भाव।
बहते मटमैले जल में , कागद् वाली नाव।
बूँद और बुलबुले का द्वंद्व, कुछ और है।
पहली बारिश का आनंद, कुछ और है।

टीकेश्वर सिन्हा गब्दीवाला
घोटिया-बालोद (छत्तीसगढ़)

जीवन का रंगमंच

जीवन के रंगमंच पर देखो-
कितने पुतले अभिनय करते,
नित नयी भूमिकायें बनती,
नित नए अहसास संवरते ।

लेकिन फिर भी मन का कोना,
सूना रहता, रूठा रहता।
इसके भीतर सम्भवतः कुछ,
तिनका तिनका टूटा करता।

सोचा ये तो अंतर्मन है,
कठिन भले हो, यह जीवन है।

कुछ गतियाँ हैं, कुछ गतिविधियां हैं
जो होना है वही होता है,
अरे मन! तू तो मूरख है ,
जो क्षण- क्षण में रोता है।

जीवन के रंगमंच पर देखो-
खुशियों की हरियाली छाती,
किसकी डोर कहाँ कब खींचती
और किसे कब कहाँ ले जाती

लेकिन फिर भी कुछ अपने,
हृदय द्वार खटकाते रहते
जो न होकर भी अपने होने का
पल- पल अहसास दिलाते रहते।

सोचा ये तो मोहबन्धन है,
शायद यही, यही जीवन है।

कुछ गतियाँ हैं, कुछ गतिविधियां हैं
जो होना है वही होता है
अरे मन! तू तो मूरख है
जो क्षण- क्षण में रोता है।

जीवन के रंगमंच पर देखो-
दुख के बादल मंडराते रहते
कभी अश्रु बनकर वो गिरते,
कभी हृदय दुखाते रहते ।

लेकिन फिर भी कुछ खुशियां,
मन को सदा प्रफुल्लित करतीढ्ढ
इस मैन की वीना के ,
टूटे तारों को सुरमित करतीं।

सोचा ये तो सुर संगम है,
कितना मधुर ये जीवन है।

कुछ गतियाँ हैं, कुछ गतिविधियां हैं,
जो होना है, वही होता है।
अरे मन! तू तो मूरख है,
जो क्षण-क्षण में रोता है।

जीवन के रंगमंच पर देखो
मन में कितने भाव उमड़ते,
कुछ कविता बन खिल उठते।,
कुछ मन कोने में सड़ते।

लेकिन फिर भी जीवन का मधुवन
सदा हरा-भरा नहीं रहता।
क्यों मधुवन का पुष्प हमेशा,
खुशियों और दुखों को सहता।

सोचा ये तो सुख दुख का संगम है,
पर ... क्यों ऐसा यह जीवन है?

प्रियंका कटारे प्रिराज
ग्वालियर (मध्यप्रदेश)

कोरोना की लड़ाई

फेस मास्क पहने
हाथों पर दस्ताने पहनें
सिर पर टोपी पहने हुए
युद्ध के एक सैनिक की तरह
जहां लोग वायरस के खिलाफ लड़ रहे हैं
वायरस जरूर है
इस लड़ाई में जीतने के लिए जा रहे हैं
कारण ...
वायरस दिखाई नहीं देता है
किसी भी मिट्टी से कोई मतलब नहीं है
क्योंकि कोई बात नहीं
क्या चेहरा मास्क
पहना जाता है या दस्ताना होता है
कोई मतलब नहीं ...।

आप से अनभिज्ञ
अपने हाथों से चिपके रहे
आपका चेहरा मास्क
में होगा
क्योंकि यह है
इसे वायरस कहा जाता है ...

इस संघर्ष में
कोरोना वायरस पर रहता है
लोग अभी बीमार हैं
वे मर जाएंगे
बस थोड़ा सा और अधिक
और अधिक
बिना दवा के
एक कॉमन के साथ

ओट्टेरी सेल्वा कुमार

दहेज प्रथा - एक अभिशापप्त

जब शादी को घर में हो वर।
तो बाप बन जाते हैं अफसर।।
बड़ी-बड़ी मांगे बड़ी-बड़ी बातें।
चाहे खुद कुछ ना हो कमाते।।
शर्म ना आती मांगने में ऐसे मांगते दहेज।
दहेज लेने से सभी करो परहेज।।
दहेज से नहीं भर जाएगा सदन।
खुद कमाने का करो जतन।।
मुफ्त में दहेज लेकर महान बन जाते हो।
हां दस लाख की तय की शादी ये दुनिया को जताते हो।।
अरे मूर्ख मानव, वो अपने घर की लक्ष्मी तुझे सौंप रहा है।
फिर भी तेरे अंदर का भिखारी भौंक रहा है।।
दहेज लेना और देना दोनों पाप है।
ऐसा क्यों नहीं समझते आप हैं।।
इसका सरकार ही करे कोई प्रावधान।
तभी इस समस्या का होगा समाधान।।

कवि - पंडित नितिन त्रिगुणायत वरी
पता - शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश

सेना का मनोबल व सम्मान

इन दिनों भारत चीन के मध्य तनावपूर्ण स्थिति पैदा हो गयी है। पूर्वी लद्दाख़ की चीन सीमा से लेकर अरुणाचल प्रदेश -चीन सीमा तक कई जगह चीनी सेना द्वारा भारतीय सीमा के भीतर कई बड़े क्षेत्रों में चीनी सेना पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा न केवल घुसपैठ किये जाने बल्कि कुछ ठिकानों पर सैन्य आधार स्थापित किये जाने तक की ख़बरें हैं। सैन्य विशेषज्ञों के अनुसार चीन ने गलवान क्षेत्र में भारतीय सीमा क्षेत्र के भीतर घुसपैठ की यह कार्रवाही 5 मई के बाद की गयी है। इस विषय पर दो बातें बहस का केंद्र बनी हुई हैं । एक तो गलवान घाटी में 15 जून की रात सीमाओं की रक्षा करते हुए भारतीय सेना व पी एल ए के बीच हुई मुठभेड़ में एक अधिकारी सहित 20 भारतीय जवानों का शहीद होना। और दूसरे 19 जून को बुलाई गयी सर्व दलीय बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा इसी घटना के संबंध में यह बयान दिया जाना कि - %न वहाँ कोई हमारी सीमा में घुस आया है,न ही कोई घुसा हुआ है ,न ही हमारी कोई पोस्ट किसी दूसरे के क़ब्ज़े में है%। ग़ौर तलब है कि भारत चीन सीमा से 45 वर्षों बाद पहली बार सैनिकों के शहीद होने के दुःखद समाचार मिले हैं। एक लोकताँत्रिक देश होने के नाते पक्ष-विपक्ष के नेता तो क्या देश के प्रत्येक नागरिक को इन परिस्थितियों में चिंतित होना स्वभाविक है। ख़ास तौर पर देश की सेना, जागरूक व अनुभवी पूर्व सैनिकों,सैन्य अधिकारियों व सैन्य विषज्ञों का न केवल चिंतित होना बल्कि सरकार व देश को यथास्थिति से अवगत करना व सलाह मशविरा देना भी स्वभाविक है। हमारे देश के कई सैन्य अधिकारियों द्वारा अपने आलेखों व अन्य माध्यमों से सरकार को बाख़बर करने कोशिशें की जाती रही हैं कि गलवान घाटी में चीनी सेना अपनी घुसपैठ बढ़ाती जा रही है। सीमा पर पेट्रोलिंग व सैन्य अभ्यास के बहाने घुसी चीनी पी एल ए अब वहां से वापस जाने के बजाए वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय क्षेत्र में पक्के निर्माण व बनकर आदि बना रही है। वर्तमान आधुनिक सूचना प्रणाली के युग में जब हर समय सैटलाइट्स द्वारा पूरी दुनिया के चप्पे चप्पे पर नज़र रखी जा सकती है और संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्रों में सेना द्वारा ख़ास तौर पर सीमा क्षेत्रों में हवाई गश्त करने के साथ साथ विशेष सैन्य सैटलाइट्स के ज़रिये भी निगरानी की जाती है।

मॉडर्न डोली

ना कोई डोली ना कोई कहार
आधुनिक संस्कृति का हुआ नया विस्तार !

डोली की जगह अब आ गई हैं
देखो कितनी मॉडर्न कार
डोली ले जाते थे कहार
अब ले जाते पहिए चार
नवविवाहिता वधू के सपनों की डोली
अब बनी स्पेशल कार

जब से चलने लगे चार पहिए
तब से भाई की गोदी हुई लाचार

आधुनिक संस्कृति का हाय हुआ नया विस्तार........

बचपन में सोचा करती थी
फूलों की डोली मंगवाऊंगी ,
बैठ पिया संग उस डोली में
अपने ससुराल जाऊंगी
सखियां पूछेंगी मुझसे
फिर थोड़ा इतराउंगी

है पिया का यह उपहार
सबको यही बताऊंगी
सपना ही लगता है लेकिन
सबको ये बताऊंगी
हो री सखी मैं डोली में बैठ
विदा हो जाऊंगी
चाहे कोई भी मंगवा ले
मंहगी या लंबी कार

आधुनिक संस्कृति का
हाय हुआ नया विस्तार .....

सपनों की ही डोली सजा कर
अब जाऊंगी मैं तो ससुराल
सुंदर सा आंगन मंगलमय घरबार
सदा रहूंगी मैं खुशहाल

ना कोई डोली ना कोई कहार
आधुनिक संस्कृति का हुआ नया विस्तार।

प्रतिभा दुबे ÷अभिलाषी÷
ग्वालियर मप्र

कोरोना काल मे गांधी फिर हमारी प्रेरणा

1942 मे गांधी जी ने देश को करो या मरो का नारा देकर अंग्रजो को ललकारा था। भारत छोडो आँदोलन के लिये बबंई की जनसभा मे उनकी एक आवाज पर सारा देश प्राणपण से तैयार हो गया था। उन्हें सभी नेताओं के साथ अंग्रेजी शासन ने गिरफ्तार कर लिया था और बिना किसी मार्गदर्शक के जनता ने भावावेश मे संपूर्ण देश में क्रांति कर दी थी। हर नागरिक ने जिससे जो बना क्रांति मे सहयोग दिया था। ऐसा लगा था जैसे कोई दैवी चमत्कार हो गया कि सबके मन मे आजादी पाने की चाह एक साथ मुखर हो गयी। मैं उस समय हाईस्कूल मण्डला का छात्र था। हमने भी जुलूस निकाले थे। आजादी के नारे लगाये थे। '' वंदे मातरम'' अंग्रेजो ! भारत छोडो, ''इंकलाब जिंदाबाद'' के नारे लगाते हुये 15 अगस्त 1942 को हम छात्रो के द्वारा निकाले जुलूस मे नगरवासी व्यापारी और सारी जनता सब एक साथ एकत्रित हो गये थे । राष्ट्र प्रेम के गीत जोश से गाये जा रहे थे और बडे जोश से जुलूस नगर के केन्द्र स्थल चौक की ओर बढता जाता था। एक गीत की जोशीली पंक्तियां थी- धरा धंसेगी, गगन झुकेगा, व्योम लगेगा थर्राने चौक में पहुंच जूलस सभा मे परिवर्तित हो गया। तत्कालीन स्थानीय नेताओ ने भाषण दिये। मेरे सहपाठी उदयचंद जैन ने ''वंदेमातरम' का नारा लगाकर अपना सीना खोल कर शासन को चुनौती देते हुये अपना जोश प्रदर्शित किया और यह क्या- पुलिस की एक गोली ने उसको घटना स्थल पर घायल कर दिया। जन समूह में अपार क्रोध उत्पन्न होना स्वाभाविक ही था । तुरंत वीर उदय को अस्पताल पहुंचाया गया। आपरेशन हुआ पर उदय को बचाया न जा सका . 16 अगस्त 1942 को वह शहीद हो गया। आज उसी चौक पर मंडला नगर में उदय की मूर्ति स्थापित है। ऐसी ही अनगिनत घटनायें सारे देश में हुई। इन्हीं सब का समवेत परिणाम पांच वर्षो बाद 15 अगस्त 1947 को हुई देश की आजादी के रूप में मिला . बापू , आप अपने आचार विचार व्यवहार और सदृशयता से हमारी प्रेरणा है। आपका त्याग और कर्मठता अप्रतिम थे। देश को आजाद कराके भी आपने अपने व अपने परिवार के लिये कोई लाभ तो लिया ही नही बल्कि अपने पवित्र सिंद्धात पर ही अडिग रहे . जिसके चलते ही आपके प्राण ले लिये गये .आपने अलौकिक देवतुल्य जीवन जिया .आपके सिद्धांतो ने सारे विश्व को प्रभावित किया है . आज सारे संसार में आप सा दूसरा कोई व्यक्तित्व नहीं दिखता . आपके जाने के बाद बीते 70 वर्षो में गंगा मे बहुत पानी बह चुका है। विश्व में भारी परिवर्तन हो चुके है। विज्ञान ने असाधारण उन्नति कर कई चमत्कार कर दिखाये हैं परंतु मानवता दिन पर दिन और कमजोर होती दिखती है।

शिल्पकार तुमको प्रणाम है,अपने हाथों गढ़ा ,सँवारा ।
छैनी और हथौड़ा लेकर,पाषाणों का रूप निखारा ।।
दम्भ,अहं पर कर प्रहार तब,मन के भ्रम संदेह मिटाए ।
निर्मलता के रंग भरे उर,ज्ञान इत्र से देह सजाए ।।
अनगढ़ अरु निष्प्राण रहा मन,उसमें तुमने प्राण उकेरे ।
सरिताएं भर दी उमंग की,सतरंगी से स्वप्न बिखेरे ।।
पत्थर की प्रतिमा के स्वामी ,सुख के भोगी मद में जीते ।
प्रतिमाओं के जीवन दाता, दीन बिचारे आँसू पीते ।।

रीना गोयल(सरस्वती नगर)
हरियाणा

सिनेमेटोग्राफी में संवारें कॅरियर

फिल्मी दुनिया का नाम आते ही ग्लैमर, पैसा और शोहरत जैसी चीजें आंखों के सामने घूमने लगती हैं। लेकिन, इस मुकाम तक पहुंचने के लिए जरूरी संघर्ष की कहानी वही लोग समझ सकते हैं, जिन्होंने यहां अलग स्थान हासिल किया है। यदि दृश्यों की और तकनीक की अच्छी समझ है, तो आपके लिए सिनेमेटोग्राफी में बेहतर कॅरियर है। एक सिनेमा बनाने में पर्दे के पीछे और आगे बहुत सारे लोग काम करते हैं। इन्हीं में से है सिनेमेटोग्राफर। ये अपनी तकनीकी कला से फिल्मों में जान डालते हैं। अगर आप भी कल्पनाशील हैं तो ये आपके लिए एक बेहतर कॅरियर विकल्प है।

सिनेमेटोग्राफी एक टेक्निकल काम है, जो दृश्यों को जीवंत बना देता है। गाइड, मुगल-ए-आजम, पत्थर के फूल, राजू चाचा, साजन, बॉर्डर जैसी न जाने कितनी ऐसी फिल्में हैं, जिन्हें उनके दृश्यों के कारण ही याद किया जाता है। एक अच्छा सिनेमेटोग्राफर कहानी के हिसाब से सीन और डायरेक्टर के अनुसार कैमरा व लाइटिंग एडजेस्ट करने का काम करता है। उसे विजुलाइजेशन और लाइटिंग की सटीक जानकारी होती है। उसके पास व्यावसायिक तकनीकी ज्ञान व क्रिएटिविटी का भी समायोजन होता है।

जरूरी पर्सनल स्किल

यह काम पूरी तरह तकनीक और कल्पना पर आधारित है, जो अपनी कल्पना के जरिए दृश्यों को जीवित करने की काबिलियत रखता है और जिसे कैमरे की बारीकियों की अच्छी जानकारी है, ये फील्ड उसी के लिए अनुकूल है।

जरूरी है कैमरा

सिनेमेटोग्राफी में मोशन पिक्चर कैमरे की जरूरत होती है, जो अन्य कैमरों से कहीं अलग होता है। इसका बखूबी उपयोग वही कर सकता है, जिसने इसका अच्छे से प्रशिक्षण लिया हो। सिनेमेटोग्राफर डायरेक्टर के साथ सीन को विजुलाइज करता है। दिन, रात, सुबह, शाम, बारिश और आंधी जैसे सीन को कब और किस एंगल से लेना है, इसमें उसे महारथ हासिल होती है। आज स्टंट सीन सिनेमेटोग्राफी का बढिया उदाहरण हैं। ?से सीनों का अधिकांश फिल्मों में बहुत उपयोग हो रहा है। फिक्शन, एडवरटाइजिंग और डॉक्यूमेंट्री फिल्म के लिए कैमरे का कैसे प्रयोग करना है, इसकी उसे पूरी-पूरी जानकारी होती है।

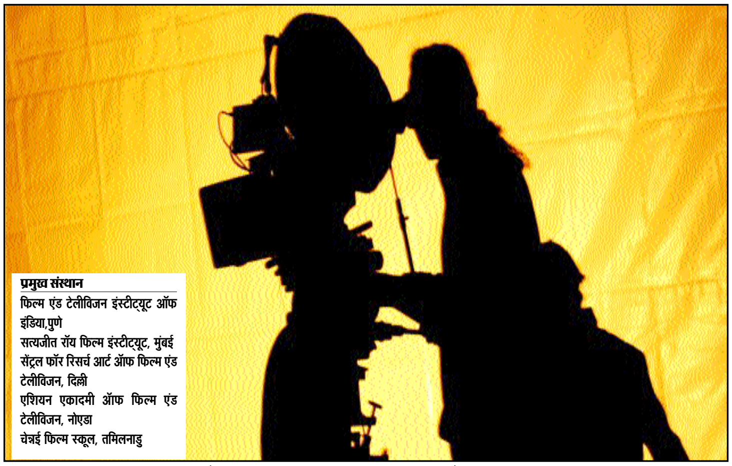

प्रमुख संस्थान

फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया,पुणे
सत्यजीत रॉय फिल्म इंस्टीट्यूट, मुंबई
सेंट्रल फॉर रिसर्च आर्ट ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, दिल्ली
एशियन एकादमी ऑफ फिल्म एंड टेलीविजन, नोएडा
चेन्नई फिल्म स्कूल, तमिलनाडु

जानें तकनीकी अंतर

सिनेमेटोग्राफी और फोटोग्राफी दोनों के बीच तकनीकी अंतर है। आप जब चलते-फिरते दृश्यों को लाइटिंग का ध्यान रखते हुए डिजिटल कैमरे में कैद करते हैं, तो इसे सिनेमेटोग्राफी कहते है। कैमरा प्लेसमेंट, सेट या लोकेशन पर लाइटिंग की व्यवस्था, कैमरा एंगल आदि को ध्यान में रखते हुए सिनेमेटोग्राफर डायरेक्टर के साथ सीन विजुअलाइज करने का काम करता है। वहीं, फोटोग्राफिक फिल्म या इलेक्ट्रॉनिक सेंसर पर स्टिल या मूविंग पिक्चर्स को रिकॉर्ड करना फोटोग्राफी कहलाता है।

जानें कोर्स के बारे में

सिनेमेटोग्राफी के लिए डिप्लोमा और शार्ट टर्म, दोनों तरह के कोर्स उपलब्ध हैं। सर्टिफिकेट व पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स भी किया जा सकता है। कोर्स के दौरान स्टूडेंट को कैमरा हैंडलिंग, कैमरा शॉट, एंगल, मूवमेंट, लाइटिंग व कंपोजीशन के अलावा टेक्निकल जानकारी भी दी जाती हैं। कोर्स करने के लिए किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से 12वीं या उसके समकक्ष होना जरूरी है। पोस्ट ग्रेजुएट लेवल का कोर्स तभी किया जा सकता है, जब ग्रेजुएशन कम्प्लीट हो गया हो।

अवसर व आमदनी

इस कोर्स को करने के बाद फिल्म और सीरियल में काम मिल सकता है। इसके साथ-साथ एडवरटाइजिंग और डॉक्यूमेंट्री फिल्मों के लिए भी आप काम कर सकते हैं। शुरूआती दौर में एक सिनेमेटोग्राफर को 15 से 20 हजार रूपये प्रति माह वेतन मिलता है, जो कि अनुभव बढ़ने के साथ-साथ बढ़ता जाता है। आगे चलकर ये लाखों में भी हो सकता है।

आयुर्वेदिक नुस्खों से ठीक हो जाते हैं बड़े-बड़े रोग

आयुर्वेद में ऐसे कई उपाय हैं जिनसे असाध्य रोगों जैसे डायबिटीज, मिर्गी, साइनस और अस्थमा आदि में आराम पाया जा सकता है। आइए जानते हैं ऐसे उपचारों के बारे में। आम के 15 पत्ते एक गिलास पानी में उबालें फिर रातभर उन्हें ?से ही छोड़ दें। सुबह इस पानी को छानकर खाली पेट पी लें। इसके अलावा रोज एक छोटे करेले का ज्यूस निकालकर पिएं। सुबह शाम मीठे नीम के 5-7 पत्ते चबाकर खाएं। रोजाना लहसुन खाने से भी डायबिटीज में आराम मिलता है। अस्थमा के रोगियों को एक गिलास गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीना चाहिए। अदरक का रस शहद के साथ लेने से लाभ होता है। एक चम्मच त्रिफला चूर्ण नींबू पानी के साथ लेने से राहत मिलती है। आयुर्वेद में कुछ चूर्ण इस रोग में लाभदायक होते हैं जैसे मुक्तादि चूर्ण, शट्यादि चूर्ण, सितोपलादि चूर्ण और तालीशादी चूर्ण आदि। साथ ही रोगी को धूल, धुएं व एलर्जन पार्टिकल्स से बचना चाहिए। पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं इससे अतिरिक्त यूरिक एसिड पेशाब के माध्यम से शरीर से बाहर निकल जाता है। रोजाना सुबह एलोवेरा का रस पीने से लाभ होता है। आधा किलो सरसों के तेल में 250 ग्राम कर्पूर मिलाकर एक शीशी में भर लें। इसे कुछ दिनों तक धूप में रखने के बाद दर्द वाली जगह पर तेल की मालिश करें। धूल, धुएं और एलर्जी से बचें, धूम्रपान से दूर रहें, रोजाना सुबह-शाम गुनगुने पानी के साथ लक्ष्मी विलास रस (नारदिय) की दो-दो गोलियां खाएं और रात को सोने से पहले षदबिंदु तेल दो-दो बूंद नाक में डालने से भी लाभ होगा। तुलसी, काली मिर्च और नमक की चाय लेने से साइनस में आराम मिलता है। मिर्गी की समस्या होने पर वैद्य की सलाह से लक्षणानुसार स्मृति सागर रस, सारस्वत चूर्ण, महापैशाचिक घृत, अश्वगंधारिष्ट आदि का सेवन करें।

तुलसी से दूर होगी शादी, संतान और नौकरी की समस्याएं

तुलसी के पौधे को हिन्दू परम्परा में बहुत पूज्यनीय माना गया है. भारतीय परम्परा में तुलसी को प्राचीन समय से बहुत शुभ माना जाता है. इसे घर का वैद्य कहा गया है. इससे कई तरह की बीमारियां तो दूर होती ही है. साथ ही वास्तुशास्त्र के अनुसार भी इसे घर में रखने का विशेष महत्व माना गया है. तुलसी को घर में लगाने से कई तरह के वास्तुदोष दूर होते हैं. तुलसी के भी बहुत से प्रकार है. जिसमें जिसमें रक्त तुलसी, राम तुलसी, भू तुलसी, वन तुलसी, ज्ञान तुलसी, मुख्यरूप से विद्यमान है. तुलसी की इन सभी प्रजातियों के गुण अलग है.

- शरीर में नाक, कान वायु, कफ, ज्वर खांसी और दिल की बीमारियों पर खास प्रभाव डालती है. तुलसी वो पौधा है जो जीवन को सुखमय बनाने में सक्षम है. वास्तुदोष दूर करने के लिए इसे दक्षिण-पूर्व से लेकर उत्तर पश्चिम तक किसी भी खाली कोने में लगाया जा सकता है. यदि खाली स्थान ना हो तो गमले में भी तुलसी के पौधे को लगाया जा सकता है.
- तुलसी का पौधा किचन के पास रखने से घर के सदस्यों में आपसी सामंजस्य बढ़ता है. पूर्व दिशा में यदि खिड़की के पास रखा जाए तो आपकी संतान आपका कहना मानने लगेगी.
- अगर संतान बहुत ज्यादा जिद्दी और अपनी मर्यादा से बाहर है तो पूर्व दिशा में रखे तुलसी के पौधे के तीन पत्ते रोज उसे किसी ना किसी तरह खिला दें.
- यदि आपकी कन्या का विवाह नहीं हो रहा हो तो तुलसी के पौधे को दक्षिण-पूर्व में रखकर उसे नियमित रूप से जल अर्पण करें. इस उपाय से जल्द ही योग्य वर की प्राप्ति होगी.
- यदि आपका कारोबार ठीक से नहीं चल रहा है तो तुलसी के पौधे को नैऋत्य कोण में रखकर हर शुक्रवार को कच्चा दूध चढ़ाएं.
- नौकरी में यदि उच्चाधिकारी की वजह से परेशानी हो तो ऑफिस में जहां भी खाली जगह हो वहां पर सोमवार को तुलसी के सोलह बीज किसी सफेद कपड़े में बांधकर कोने में दबा दे. इससे आपके संबंध सुधरने लगेगें.

हृदय रोगियों के लिए भी जरूरी है व्यायाम

दिल के मरीज हैं या दिल के दौरे का शिकार हो चुके हैं तो भी नियमित व्यायाम करना बंद न करें। दवा, विशेषज्ञों की सलाह से व्यायाम और उचित खान-पान हृदय रोगों को काबू रखने में मदद करता है। पर व्यायाम की अति से बचना बेहद जरूरी है

हल्के एरोबिक व्यायाम और तेज चहलकदमी करें

वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ एन.एन. खन्ना के अनुसार नियमित व्यायाम करना रक्तचाप को नियंत्रित रखता है और कोलेस्ट्रॉल में सुधार करता है, जो हृदय रोगियों के लिए जरूरी है। नियमित पैदल चलना व हल्के ऐरोबिक व्यायाम करना कार्डियोवस्कुलर सिस्टम को मजबूत बनाता है। इससे शरीर में ऑक्सीजन की आपूर्ति अधिक होती है। एक अध्ययन में दिल के रोगियों पर व्यायाम के प्रभाव की जांच की गयी। जांच में 60 स्वस्थ व 60 हृदय रोगियों को शामिल किया गया। आधे स्वस्थ व हृदय रोगियों को चार हफ्ते व्यायाम करवाया गया। शेष आधे लोग पहले की तरह सामान्य

क्लीनिकल सुविधाओं पर रखे गए। व्यायाम शेड्यूल में सप्ताह में पांच दिन साइक्लिंग और सप्ताह में एक बार 60 मिनट के लिए समूह व्यायाम की कक्षा रखी गयी। चार सप्ताह बाद मांसपेशियों की मरम्मत व क्रियाशीलता के लिए जरूरी एंजाइम्स का अध्ययन करने के लिए मरीजों के पैरों की जांच की गई। इसमें सामान्य लोगों की तुलना में व्यायाम समूह में शामिल लोगों के मांसपेशीय एंजाइम्स में व्यापक सुधार देखने को मिला। उनमें मसल्स ब्रेक-डाउन प्रोटीन का स्तर भी कम पाया गया। मांसपेशियों की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी देखी गयी। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी स्पेशलिस्ट मितेंद्र सिंह यादव के अनुसार, दवाएं, मौसम, वजन और खान-पान के आधार पर हृदय रोगियों के लिए खास व्यायाम प्लान बनाया जाता है। उन्हें आइसोमेट्रिक व्यायाम (पुशअप्स, सिटअप्स व वेट लिफ्टिंग जैसी खास मांसपेशियों के व्यायाम) की जगह लाइट कार्डियो एक्सरसाइज और स्ट्रेचिंग की सलाह दी जाती है। पैदल चलना, दौड़ना, रस्सी कूदना और तैराकी सुरक्षित व्यायाम हैं। इससे हृदय गति व रक्तचाप नियंत्रित रहता है। स्ट्रेचिंग से लचीलापन आता है।

क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में एचडीजेड पार्टी की जीत के बाद उत्साहित प्रधानमंत्री एंड्रेज प्लेनकोविक अपने समर्थकों के साथ नजर आये।

इजरायल ने छोड़ा हाईटेक जासूसी उपग्रह, ईरान की बढ़ी टेंशन

यरूशलम। इजरायल के रक्षामंत्री ने सोमवार को एक नए जासूसी उपग्रह के सफलतापूर्वक प्रक्षेपण की घोषणा की है। इस उपग्रह के बारे में अधिकारियों का कहना है कि इससे क्षेत्र में खतरों की निगरानी में आसानी होगी। इजरायल में करीब दो दशक से इस तरह के उपग्रह प्रक्षेपित किए जा रहे हैं और ओफेक-16 इसी जासूसी बेड़े में शामिल हो गया है। हालांकि अधिकारियों ने खासतौर पर किसी खतरे का नाम नहीं लिया। ईरान और इजरायल में पुरानी शत्रुता है और यह इस्लामिक रिपब्लिक पर परमाणु हथियार विकसित करने की कोशिश का आरोप लगाता रहा है। मंत्रालय के अंतरिक्ष एवं उपग्रह प्रशासन के प्रमुख अमनोम हरारे ने कहा,उपग्रहों के सभी समूहों का इस्तेमाल देश के लिए किसी खतरे की निगरानी करने में किया जाता है, जैसा कि आप जानते हैं कि कभी यह खतरा बहुत दूर होता है और कभी नजदीक, इसके लिए लगातार निगरानी की जरूरत होती है।' इजरायल ने हालांकि इसकी पुष्टि नहीं की है कि अभियान में अभी कितने उपग्रह शामिल हैं लेकिन हरारे ने कम से कम दो ओफेक 5 और ओफेक 11 का जिक्र किया है, इन दोनों का प्रक्षेपण क्रमश-2002 और 2016 में हुआ था। उन्होंने कहा, आप अनुमान लगा सकते हैं कि जब आपके पास आकाश में समानांतर रूप से एक से ज्यादा उपग्रह होते हैं तो आप अपने हितों पर ज्यादा बेहतर तरीके से नजर रख सकते हैं। इजरायल ईरान को अपने लिए सबसे बड़ा खतरा मानता है और लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइलों के इसके निर्माण,पड़ोसी देश सीरिया में सैन्य मौजूदगी और संदिग्ध परमाणु कार्यकर्म को देखकर इजराइल ईरान पर करीबी नजर रखता है।

कोरोना के बाद डेंगू के प्रकोप से सिहरा सिंगापुर, सामने आए 14 हजार से अधिक केस

सिंगापुर । वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के प्रकोप की दूसरी लहर को नियंत्रित करने के प्रयासों के बीच सिंगापुर में डेंगू ने अपना रौद्र रूप दिखाना शुरू कर दिया है। सिंगापुर शहर में डेंगू के अब तक 14,000 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। सिंगापुर के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि 2013 में डेंगू के 22,170 मामले रिपोर्ट किए गए थे। स्वास्थ्य विभाग का अनुमान है कि डेंगू के मामले पिछले रिकॉर्ड से ज्यादा आ सकते हैं। पिछले सप्ताह यहां कोरोना वायरस के 1,468 मामले सामने आए। पिछले तीन सप्ताह से यहां 1,000 से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। सिंगापुर में पिछले सप्ताह सबसे कोरोना वायरस के संक्रमण के मामले सामने आए हैं। कोरोना वायरस से अबतक यहां 26 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि यहां अब तक 44,479 मामले सामने आ चुके हैं। यह माना जा रहा है कि मच्छरों के प्रजनन काल में डेंगू के मामलों में बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी। मच्छरों का प्रजनन काल जून से शुरू होकर अक्टूबर माह तक चलता है। कोरोना वायरस की तरह डेंगू के लक्षण सिर्फ 25 प्रतिशत लोगों में प्रकट होते हैं। एडिस मच्छर काटने की वजह से डेंगू होता है। मच्छर के काटने के पांच से दस दिनों तक मरीज को बुखार रहता है जबकि इसके लक्षण एक सप्ताह तक देखे जाते हैं।

दिक्कत की बात यह है कि डेंगू और कोरोना वायरस के संक्रमितों के लक्षण बहुत हद तक मिलते जुलते हैं। डेंगू और कोरोना वायरस के संक्रमित मरीजों में तेज बुखार और मांसपेशियों में दर्द होता है। दोनों ही बीमारियों में उलटी, सिर में खास तौर पर आंख के पीछे बहुत दर्द होता है। बहुत कम मामलों में गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं। मिसाल के तौर पर खून की उलटी करना, तेज गति सांस, पेट में भयंकर दर्द उठना और सुस्ती आदि। डेंगू के मरीजों में मृत्युदर एक फीसदी के करीब है और यह कोरोना वायरस के लगभग बराबर ही है। कोरोना वायरस के संक्रमितों की मौत की दर 1.5 फीसदी के करीब है।

200 से अधिक वैज्ञानिकों ने कोरोना वायरस को वायुजनित बताया : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क। कोरोना के संबंध में एक बड़ा दावा करते हुए 32 देशों के 200 से अधिक वैज्ञानिकों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन से कहा कि वायरस के वायुजनित होने के सबूत मौजूद हैं,इसकारण एक छोटा कण भी लोगों को संक्रमित कर सकता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अभी तक खांसने और छींकने को ही कोरोना फैलने का मुख्य कारण बताया है।एक रिपोर्ट के अनुसार लोगों के वापस बार, रेस्तरां, कार्यालयों, बाजार और कसिनो जाने से विश्व स्तर पर कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं और इस प्रवृत्ति की लगातार पुष्टि हुई है कि कोरोना का वायरस बंद जगहों पर ठहर कर आस-पास के लोगों को संक्रमित करता है। रिपोर्ट में कहा गया,32 देशों के 239 वैज्ञानिकों ने डब्ल्यूएचओ को लिखे खुले पत्र में लोगों को संक्रमित करने की छोटे कणों की भी क्षमता रेखांकित की और एजेंसी से अपने सुझावों में बदलाव करने की अपील की है।

मिस्र की राजधानी काहिरा में कोरोना वायरस के मामलों को देखते हुए चीनी राजदूत लियो लिकांग ने एक समारोह में अरब लीग के सहायक सचिव होशाम जगी को चिकित्सा सामग्री सौंपी।

यूएन के हेलीकॉप्टर पर जिहादियों ने की अंधाधुंध फायरिंग, दो की मौत

डकार । उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया में सप्ताह के अंत में संदिग्ध इस्लामिक जिहादियों ने संयुक्त राष्ट्र के एक हेलीकॉप्टर पर अंधाधुंध फायरिंग की जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। राष्ट्रपति मोहम्मद बुहारी ने हमले के लिए कट्टरपंथी समूह बोको हराम से जुड़े आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया और इसके कड़े परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी। राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, 'बोको हराम के आतंकवादी स्पष्ट रूप से पूरी तरह पिछड़ चुके हैं और अब मासूम नागरिकों, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़ा रहे हैं। यह अपनी नाकामी को छुपाने और खुद को मजबूत दिखाने की उनकी निराशा को प्रदर्शित करता है।' उत्तर पश्चिम नाइजीरिया में सहायता समूहों की सुरक्षा हमेशा से ही एक चिंता का विषय रहा है, जहां बोको हराम करीब एक दशक से मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का अपहरण और उनकी हत्या कर रहा है। शनिवार को हुए इस हमले की हालांकि अभी तक किसी ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली है। नाइजीरिया में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संचालक एडवर्ड कैलन ने कहा कि मृतकों में पांच वर्षीय एक बच्चा भी शामिल है। चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और हमले के समय हेलीकॉप्टर में कोई सहायता कर्मी सवार नहीं था। उत्तर पश्चिम नाइजीरिया में जिहादी हिंसा के कारण करीब 19 लाख लोग विस्थापित हुए हैं और संयुक्त राष्ट्र विश्व भोजन कार्यक्रम ने चेताया है कि यहां करीब 30 लाख लोग भुखमरी की मार झेल रहे हैं।

जर्मनी में मास्क लगाकर शादी की पोशाक पेश करती हुई एक मॉडल।

ईरान के परमाणु एरिया में लगी आग से सेंट्रीफ्यूज असेंबली सेंटर हुआ प्रभावित

तेहरान। ईरान के परमाणु एरिया में आग लगने की खबर है जिसकी उसने पुष्टि की है। भूमिगत नतान्ज परमाणु स्थल पर क्षतिग्रस्त हुई इमारत असल में एक नया सेंट्रिफ्यूज केंद्र था। एक समाचार एजेंसी ने यह खबर दी है। सेंट्रिफ्यूज वह मशीन होती है जिसमें विभिन्न घनत्व वाले द्रवों को या ठोस पदार्थ से तरल पदार्थों को अलग करने के लिए सेंट्रिफ्यूजल फोर्स का इस्तेमाल होता है। ईरान के अधिकारियों ने गुरुवार तड़के लगी इस आग को एक मामूली दुर्घटना बताकर टालना चाहा था जिसने औद्योगिक शेड को प्रभावित किया था। हालांकि, ईरान के सरकारी चैनल द्वारा इस स्थल की जारी तस्वीरों और वीडियो में ईंट की दो मंजिली इमारत दिख रही है जिसमें उसके झुलसने के निशान और उसकी छत स्पष्ट तौर पर क्षतिग्रस्त दिख रही है।

ईरान की परमाणु एजेंसी के प्रवक्ता बेहरूज कमलवंदी ने रविवार को कहा कि केंद्र पर काम 2013 में शुरू हुआ था और इसका उद्घाटन 2018 में किया गया था। उन्होंने कहा, यहां अधिक उन्नत सेंट्रिफ्यूज मशीनों के निर्माण की मंशा थी। साथ ही कहा कि इस नुकसान की वजह से संभवत- उन्नत सेंट्रिफ्यूज मशीनों के विकास एवं उत्पादन में देरी हो सकती है। उन्होंने कहा कि इस आग में 'माप एवं शुद्धता उपकरण' क्षतिग्रस्त हो गए और कहा कि यह केंद्र विश्व की शक्तियों के साथ हुए तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते की वजह से लगाए गए प्रतिबंधों के कारण पूरी क्षमता के साथ नहीं चल रहा था। ईरान ने दो साल पहले अमेरिका के इस समझौते से बाहर हो जाने के मद्देनजर उन्नत सेंट्रिफ्यूज मॉडल के साथ प्रयोग करने शुरू कर दिए थे। ईरान लंबे समय से कहता आया है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण मकसदों के लिए हैं।

इंडियानापोलिस में न्यूज़ीलैंड के रेस ड्राइवर स्कॉट डिक्सन इंडीकार ऑटो रेस में जीत के बाद जश्न मनाते हुए।

पेशेवर खिलाड़ियों के वेतन में कटौती न करें : आईओसी

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने अपने एक बयान में खेल संगठनों से कहा है कि पेशेवर लोगों के वेतन में कटौती और भुगतान में देरी नहीं की जाये क्योंकि ऐसा होने पर भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। वहीं आईओसी के अनुसार कोरोना महामारी के इस दौर में खेलों की अखंडता को सुरक्षित रखने की जरूरत है। एक रिपोर्ट के अनुसार , '' इस कठिन समय में पेशेवर खिलाड़ियों के वेतन पर असर पड़ सकता है, जो भुगतान में कमी या देरी के कारण हो सकता है और आर्थिक स्थिति खेलों पर दबाव डालती है। ऐसे में भ्रष्ट और आपराधिक समूह इस स्थिति का फायदा उठाने का प्रयास कर सकते हैं।'' इसके मुताबिक, ''इसलिये सिफारिश की जाती है कि जहां तक संभव हो, उन लोगों का वेतन कम करने से बचने पर ध्यान रखा जाये जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं और काफी प्रभावित हैं और अगर जरूरी हो तो जहां तक संभव हो, इसे अस्थायी तौर पर किया जाये।

पेशेवर फुटबॉल लीग फिर शुरू

टोक्यो। कोरोना वायरस महामारी के कारण चार पिछले चार महीने से स्थगित जापान की पेशेवर फुटबॉल लीग (जे-लीग) फिर से शुरू हो गयी है। लीग के फिर से शुरू होने पर सभी शीर्ष 18 टीमों मैदान में उतरी, इस दौरान खाली स्टेडियम में कुल मिलाकर नौ मैच खेले गए। इसमें गत चैंपियन योकोहामा का सामना उरवा रेड्स से हुआ। इससे पहले जे-लीग के शीर्ष डिवीजन का केवल एक दौर हुआ था और उसके बाद कोरोना महामारी के कारण सभी मैचों को स्थगित कर दिया गया था। इससे पहले जापान की लोकप्रिय प्रो-बेसबॉल लीग भी स्टेडियम में दर्शकों के बिना ही पिछले महीने फिर से शुरू हुई थी। यह भी कहा जा रहा है कि इस महीने के अंत में प्रशंसकों को स्टेडियम में आने की अनुमति भी मिल सकती है। दर्शकों को अनुमति देने का मामला इस पर आधारित रहेगा कि कोविड-19 मामले कैसे हैं, अगर ये कम होते हैं तो दर्शकों को अनुमति मिलेगी और अगर नहीं तो भी मुकाबले खाली सटेडियम में ही होंगे।

इंग्लैंड ने पहले टेस्ट के लिए घोषित की टीम, स्टोक्स करेंगे कप्तानी

मोईन और बेयरस्टो बाहर , लीच शामिल

लंदन। मेजबान इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ जुलाई से शुरु हो रहे पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी 13 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इसमें टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को मिली है क्योंकि नियमित कप्तान जो रुट ने अपने दूसरे बच्चे के जन्म को देखते हुए पहले ही टीम से अपना नाम वापस ले लिया था। हैरान की बात है कि इस टेस्ट मैच के लिए मोईन अली और विकेटकीपर जॉनी बेयरस्टो को टीम में जगह नहीं मिली है। टीम में तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन, स्टुअर्ट ब्राड, जोफ्रा आर्चर और मार्क वुड के अलावा क्रिस वोक्स को भी शामिल किया गया है। वहीं स्पिनर के तौर पर जैक लीच की जगह डॉम बेस को जगह मिली है। बेस को हाल में शानदार प्रदर्शन के कारण टीम में शामिल किया गया है। ौ रिजर्व खिलाड़ियों में लीच को रखा गया है पर मोईन और बेयरस्टो को इसमें भी जगह नहीं मिली है। पहला टेस्ट मैच साउथम्पटन में बुधवार से जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खेला जाएगा। इंग्लैंड टीम इस प्रकार है = बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोफ्रा आर्चर, डॉम बेस, स्टुअर्ट ब्राड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर (विकेटकीपर), जाक क्रॉले, जो डेनली, ओली पोप, डॉम सिबले, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

कोरोना महामारी के कारण इंडियन ओपन गोल्फ रद्द

नई दिल्ली। कोविड-19 महामारी के कारण इंडियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के साल 2020 के सत्र को रद्द कर दिया गया है। यह टूर्नामेंट यूरोपीय टूर से सह-स्वीकृत है जिसका आयोजन इस साल 19 से 22 मार्च तक गुरुग्राम में होना था। कोरोना वायरस के कारण हुए लॉकडाउन से इसे स्थगित कर दिया गया था। वहीं महिला वर्ग के ओपन को भी इस महामारी के कारण पहले ही रद्द कर दिया गया था। भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) के अध्यक्ष देवांग शाह ने कहा, '' सभी के स्वास्थ्य और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता के तौर पर रखते हुए हमने इस साल हीरो इंडियन ओपन को रद्द करने का फैसला किया है।'' उन्होंने कहा, ''हम ने यह फैसला हमें मान्यता देने वाले यूरोपीय टूर से सलाह के बाद ही लिया है।'' शाह ने कहा कि संघ ने अक्टूबर में इसकी मेजबानी करने की योजना बनाई थी, लेकिन देश में कोरोना वायरस की बिगड़ती स्थिति के कारण हमें इसमें बदलाव करने पर मजबूर होना पड़ा। शाह ने कहा, '' यह और गंभीर होता जा रहा है, इसलिए हमने यूरोपीय टूर के साथ परामर्श के बाद इस साल के टूर्नामेंट को रद्द करने का फैसला किया। यह अब 2021 में आयोजित किया जाएगा।'' वहीं आईजीयू के कार्यवाहक अध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल डी अंबू (सेवानिवृत्त) ने कहा कि यह एक बहुत ही मुश्किल फैसला था लेकिनसभी की भलाई को देखते हुए उन्हें ऐसा करना पड़ा।

खाली स्टेडियम में भी खेलते समय उत्साह कम नहीं होगा : ओली

साउथम्पटन । इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने कहा है कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आठ जुलाई से शुरू होने वाले पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के खाली स्टेडियम में होने से भी खेल को लेकर उत्साह कम नहीं होगा। कोरोना महामारी के खतरे को देखते हुए तीन टेस्ट मैचों की यह श्रृंखला खाली स्टेडियम में खेली जायेगी। इसका दूसरा और तीसरा टेस्ट मैच मैनचेस्टर में 16 से 20 जुलाई और 24 से 28 जुलाई तक खेला जायेगा। पोप ने इंग्लैंड के अभ्यास मैच के बाद कहा, ''जब काफी दर्शक होते हैं और 'बार्मी आर्मी' भी यहां होती हैं तो यह शानदार अनुभव होता है पर हम फिर भी टेस्ट क्रिकेट खेलेंगे। '' उन्होंने कहा, ''अगर दर्शकों में एक भी व्यक्ति नहीं होगा तक भी हम उस क्रिकेट को खेलेंगे जिसका हमने अभी तक खेलने का सपना देखा है। टेस्ट अभी भी क्रिकेट का शीर्ष प्रारूप है। सुबह के समय अब भी वैसा ही जोश होगा क्योंकि इसमें कई कठिन हालातों से गुजरना होता है। जब टेस्ट मैच शुरू होता है तो दर्शक हों या नहीं, आप हमेशा उत्साहित रहते हो।'' इस 22 साल के

बल्लेबाज ने कहा कि दर्शकों के बिना भी क्रिकेट का स्तर प्रभावित नहीं होगा। उन्होंने कहा, ''भले ही हम थोड़ा सा संगीत बजायेंगे, मुझे पता नहीं है लेकिन हम अपना ही माहौल बनाने का तरीका तलाश सकते हैं।

वैश्विक संकेतकों, टीसीएस के तिमाही परिणामों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

नई दिल्ली । इस सप्ताह शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक संकेतकों, कोविड-19 के रुख और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) जैसी बड़ी कंपनियों के पहली तिमाही के नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा निवेशकों की निगाह रुपए के उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी। रेलिगेयर ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष-शोध अजित मिश्रा ने कहा ?कि बाजार भागीदारों की निगाह महत्वपूर्ण वृहद संकेतकों मसलन औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों, कोविड-19 से जुड़े घटनाक्रमों तथा मानसून की प्रगति पर रहेगी। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी टीसीएस के तिमाही नतीजे नौ जुलाई को आएंगे। वहीं औद्योगिक उत्पादन यानी आईआईपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद आएंगे। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के खुदरा अनुसंधान प्रमुख सिद्धार्थ खेमका ने कहा है कि पहली तिमाही के नतीजों की शुरुआत नौ जुलाई को टीसीएस के साथ होगी। बीते सप्ताह शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी रही। इससे सेंसेक्स करीब चार माह के उच्चस्तर पर बंद हुआ। पिछले सप्ताह दुनिया के विभिन्न देशों के आर्थिक आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहने और कोविड-19 के टीके को लेकर सकारात्मक खबरों से भारतीय शेयर बाजार मजबूती के रुख के साथ बंद हुए। सैमको सिक्योरिटीज एंड स्टॉकनोट के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जिमीत मोदी ने कहा ?कि भारतीय कंपनियों द्वारा पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा शुरू होने से बाजार में एक निश्चित रुख दिखाई देगा।

हीरो साइकिल्स ने भी चीन के साथ 900 करोड़ का व्यापार रद्द किया

नई दिल्ली । चीनी उत्पादों के बहिष्कार के बीच साइकिल बनाने वाली कंपनी हीरो साइकिल ने भी 900 करोड़ रुपए का व्यापार रद्द करने का फैसला ?किया है। ये व्यापार हीरो ने चीनी कंपनियों के साथ किया था। इससे पहले हीरो साइकिल ने कोरोना से निपटने के लिए सरकार को 100 करोड़ रुपये भी दान में दिए थे। चीन का बायकॉट करने के लिए भी हीरो साइकिल ने एक अहम फैसला लेते हुए आने वाले 3 महीने में चीन के साथ 900 करोड़ का व्यापार करना था, वह अब रद्द कर दिया गया है। लुधियाना में काफी तादाद में साइकिल के पुर्जे बनाने वाली कई छोटी कंपनियां हैं, जिनकी मदद के लिए अब हीरो साइकिल आगे आई है। छोटी कंपनियों को हीरो साइकिल अपने में मर्ज करने का ऑफर दे रही हैं। हीरो साइकिल के एमडी और

डायरेक्टर पंकज मुंजाल ने बताया कि चीन का बायकॉट करने के लिए यह फैसला लिया है। अब कंपनी ने चीन के साथ सभी तरह के व्यापार को बंद कर दिया है। विश्व में दूसरे देशों के बीच कंपनी की तरफ से अब भविष्य तलाशा जा रहा है जिसमें जर्मनी अहम है। मुंजाल ने कहा कि हीरो साइकिल अब जर्मनी में अपना प्लांट लगाने जा रही हहि। इस प्लांट से पूरे यूरोप में हीरो की साइकिल सप्लाई की जाएंगी। पंकज मुंजाल ने यह भी बताया कि बीते दिनों साइकिल की डिमांड बढ़ी है और हीरो साइकिल की तरफ से अपनी कैपेसिटी भी बढ़ाई गई है। हालांकि इस दौरान छोटी कंपनियों का बहुत नुकसान हुआ है, जिसकी भरपाई के लिए हीरो साइकिल तैयार है। लुधियाना में बनने वाली साइकिल वैली के साथ हीरो साइकिल ग्लोबल लीडर बन जाएगा इससे चीन के समान का बायकॉट आसानी के साथ किया जा सकता है क्योंकि अगर भारत में कंप्यूटर बन सकते हैं, तो साइकिल क्यों नहीं। सरकार उनके साथ है और भारत में हर तरह की साइकिल का निर्माण संभव है।

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठकः सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों में लापरवाही पाए जाने पर कॉलेज के प्राचार्य के विरूद्ध कार्रवाई

सीएम हैल्पलाइन के प्रकरणों को अधिकारी पूर्ण गंभीरता से लें : कलेक्टर

ग्वालियर। शासकीय सेवक को सेवानिवृत्ति के पश्चात भी पेंशन आदि का भुगतान न करने की शिकायत पर केआरजी कॉलेज के वर्तमान प्राचार्य तथा पूर्व प्राचार्य के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई का निर्णय कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने किया है। सीएम हैल्पलाइन में दर्ज शिकायतों में से कुछ हितग्राहियों को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में बुलाकर उनकी समस्याओं को सुनना और उनका निराकरण करने का कार्य प्रति सोमवार को कलेक्टर द्वारा किया जाता है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 6 जुलाई सोमवार को अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में सीएम हैल्पलाइन में शिकायत करने वाले श्री सेतु कुमार गुप्ता को बुलाकर उनकी समस्या को सुना। श्री गुप्ता ने बताया कि 2018 में केआरजी कॉलेज से सेवानिवृत्त होने के पश्चात दो वर्ष तक राशि का भुगतान प्राप्त न होने पर सीएम हैल्पलाइन में शिकायत दर्ज की थी। श्री गुप्ता ने बताया कि शिकायत के पश्चात उसे राशि प्राप्त हो गई है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने कॉलेज की प्राचार्य से जब इस संबंध में जानकारी ली तो उनके द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। सेवानिवृत्त कर्मचारी को उसकी राशि का भुगतान न करने के मामले को गंभीरता से लेते हुए वर्तमान प्राचार्य तथा इससे पूर्व में रहे प्राचार्य के विरूद्ध दो ङ्क दो वेतनवृद्धि रोकने की कार्रवाई का प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भेजने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने लक्ष्मण सिंह अरगर एवं मनोज कुमार शाक्य से भी सीएम हैल्पलाइन में शिकायत

करने के संबंध में जानकारी ली। श्री लक्ष्मण सिंह द्वारा बताया गया कि उसे मानदेय का भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है जबकि मनोज कुमार शाक्य ने कम राशन प्राप्त होने की शिकायत बताई। कलेक्टर ने जब संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली तो मानदेय के संबंध में बताया गया कि इनका निर्धारण शासन स्तर से मानदेय का कर दिया गया है और संबंधित को राशि भी प्राप्त हो गई है। इसी प्रकार मनोज कुमार शाक्य को कम राशन मिलने की शिकायत के संबंध में जानकारी दी गई कि लॉकडाउन के दौरान हितग्राहियों को 10 किलो अनाज प्रदान किया गया था। बाद में आवंटन प्राप्त होने पर खाद्यान्न का वितरण कर दिया गया है। कलेक्टर श्री सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शासकीय सेवकों के जो भी व्यक्तिगत क्लेम हैं उनका निराकरण समय रहते होना चाहिए। सेवानिवृत्ति के पश्चात भी किसी कर्मचारी को उसके क्लेम न मिलना एक गंभीर मामला है। इस प्रकार की शिकायत मिलने पर संबंधित विभागीय अधिकारी के विरूद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने उच्च शिक्षा, महाविद्यालयीन शिक्षक एवं स्कूली शिक्षकों के पेंशन एवं व्यक्तिगत क्लेम के निर्धारण हेतु जानकारी एकत्र कर कार्रवाई करने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने सभी विभागीय अधिकारियों को सीएम हैल्पलाइन को पूरी गंभीरता के साथ लेने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि हैल्पलाइन के तहत प्राप्त होने वाली शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में किया जाना चाहिए। एल-1 स्तर पर ही शिकायत को अधिकारी देखें और समय रहते उसका निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने नोवेल कोरोना वायरस के संक्रमण की रोकथाम के लिये जिले में प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने कार्यालयों में भी सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध रखें। कार्यालय में आने वाले हर अधिकारी-कर्मचारी तथा आम जनों के लिये सेनेटाइजर की व्यवस्था रखने के साथ ही सोशल डिस्टेंसिंग का पालन भी सुनिश्चित किया जाए। कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी सभी लोग अनिवार्यतः मास्क पहनकर रहें। इसके साथ ही कार्यालय को भी समय-समय पर सेनेटाइज किया जाए। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले में नियुक्त सभी इंसीडेंट कमांडरों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित करें। इसके साथ ही बिना मास्क के घूमने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जाए। जो लोग बिना मास्क के घूमते पाए जाएं उन्हें कोरोना वॉलेन्टियर बनाकर कार्य कराया जाए। प्रदेश सरकार द्वारा कोरोना के संक्रमण की रोकथाम के लिये चलाए जा रहे किल कोरोना अभियान के तहत शतप्रतिशत घरों का सर्वेक्षण कार्य किया जाना है। जिले में गठित किए गए सभी दल अपने-अपने क्षेत्र में सर्वेक्षण का कार्य पूर्ण गंभीरता के साथ करें। इंसीडेंट कमांडर अपने-अपने क्षेत्र में सर्वेक्षण कार्य की निरंतर मॉनीटरिंग करें। अभियान के तहत लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरूद्ध दण्डात्मक कार्रवाई भी की जाए। राज्य शासन द्वारा पूर्व में निरस्त किए गए वन अधिकार पट्टों के वितरण के लिये अभियान चलाया जा रहा है। ग्वालियर जिले में भी निरस्त हुए वन अधिकार पट्टों का वितरण समय पर हो, इसके लिये सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में समय रहते कार्रवाई पूर्ण करें। एसडीएम अपने स्तर से कार्रवाई कर जिला स्तरीय समिति को अनुशंसा सहित प्रकरण भेजें ताकि पट्टों को देने की कार्रवाई समय रहते पूर्ण की जा सके। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा है कि शासन के इस सर्वोच्च प्राथमिकता वाले अभियान को अधिकारी पूर्ण गंभीरता के साथ लें और समय पर पट्टों का वितरण हो, यह सुनिश्चित किया जाए। अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री शिवम वर्मा, एडीएम श्री किशोर कन्याल, अपर कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, सीईओ स्मार्ट सिटी श्रीमती जयति सिंह सहित सभी अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वाहन चार्जिंग स्टेशन के लिए अलग बिजली कनेक्शन

ग्वालियर। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के समस्त 16 जिलों के अंतर्गत इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने वाले व्यक्तियों को अलग से नया बिजली कनेक्शन लेना होगा। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा विद्युत वाहनों के चार्जिंग के लिये बिजली की अलग से दरें निर्धारित की गई हैं।

लॉकडाउन का पालन न करने पर दुकानदारों पर चालान की कार्रवाई

ग्वालियर। ग्वालियर जिले में कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने हेतु जिला प्रशासन द्वारा लागू लॉकडाउन का पालन न करने पर सोमवार को दुकानदारों पर जाँच दल द्वारा 4200 रूपए की चालान की कार्रवाई की गई। जबकि तीन दुकानें सील की गई। जिनमें हार्डवेयर दुकान दौलतगंज, घोसीपुरा में इलेक्ट्रोनिक की दुकान तथा जनकगंज में एक दुकान को सील किया गया। जबकि लॉकडाउन के दौरान 6 लोगों द्वारा आवारागर्दी करते पाए जाने पर कार्रवाई की गई।

ऑनलाइन सत्यापन के बाद ही महाविद्यालय ई-प्रवेश पोर्टल से सम्बद्ध हो सकेंगे

ग्वालियर। मौजूदा शैक्षणिक सत्र की ऑनलाईन ई-प्रवेश प्रक्रिया के लिए सभी शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एंव अशासकीय महाविद्यालयों को प्रोफाईल अध्यतन और सत्यापन करना अनिवार्य होगा। हर महाविद्यालय को ऑनलाईन ई-प्रवेश पोर्टल के माध्यम से 20 जुलाई 2020 तक अद्यतन की कार्यवाही पूर्ण करना होगी। संबंधित विश्वविद्यालयों के क्षेत्रान्तर्गत आने वाले शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय तथा अशासकीय महाविद्यालय का सत्यापन 25 अगस्त तक करना होगा। संबंधित विश्वविद्यालय ऑनलाईन सत्यापन के बाद ही शैक्षणिक सत्र 2020-21 की ई-प्रवेश प्रक्रिया के लिए महाविद्यालय ई-पोर्टल से संबद्ध हो सकेगें।

सीआरपीएफ के पुलिस उप महानिरीक्षक एवं जवानों ने किया वृक्षारोपण

ग्वालियर। महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली के निर्देशानुसार ग्रुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नया गाँव पनिहार ग्वालियर को इस वर्ष पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण करने का निर्देश प्राप्त हुआ है। इसी क्रम में आज सोमवार को प्रातःकाल पुलिस उप महानिरीक्षक ग्रुप केन्द्र केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ग्वालियर श्री सुमेर सिंह शेखावत सहित अन्य

अधिकारियों एवं जवानों ने ग्राम छोटा रायपुर स्थित प्राइमरी स्कूल प्रांगण एवं उसके आस-पास कोविड-19 हेतु जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए वृक्षारोपण किया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में स्थानीय ग्रामीणों एवं स्कूल स्टाफ ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल द्वारा जारी किए गए वृक्षारोपण कार्यक्रम की प्रशंसा की।

मानसून काल में भी मिलेगा मनरेगा से रोजगार

ग्वालियर। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के माध्यम से मानसून काल में श्रमिकों को गांव में ही रोजगार मुहैया हो सकेगा। प्रदेश भर में इसके लिये साढ़े 13 करोड़ अतिरिक्त मानव दिवस रोजगार सृजित किए जाएंगे। मानसून काल में मनरेगा के माध्यम से वृक्षारोपण एवं जल संरक्षण के कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके लिए पूर्व निर्धारित लेबर बजट में बढ़ोतरी कर सभी जिलों को अतिरिक्त लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। कोरोना संक्रमण काल में वापस लौटे प्रवासी लौटकर आए श्रमिकों तथा पूर्व से कार्यरत श्रमिकों को वर्षा काल में नियमित रोजगार उपलब्ध कराने के लिए मनरेगा की कार्य योजना में संशोधन किया गया है। प्रदेश में वित्तिय वर्ष 2020-21 में पूर्व निर्धारित लेबर बजट 20.50 करोड़ मानव दिवस से बढ़ाकर 34 करोड़ मानव दिवस किया गया है। सभी जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ऐसे सामुदायिक कार्यों को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए हैं जिनमें अधिक से अधिक श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हो सके। मानसून अवधि में वृक्षारोपण के तहत सामुदायिक भूमि पर वृक्षारोपण, निजी भूमि पर फलोद्यान, मंदिर कुंज, हैबिटेट रेस्टोरेशन जैसे कार्य कराने तथा जल संरक्षण और संवर्धन के कार्यों के तहत कंटूर ट्रेंच, बोल्डर चेकडेम, गोबियन संरचना जैसे कार्यों को प्राथमिकता से कराने के निर्देश दिए गए हैं।

बारादरी चौराहे पर पुलिस ने दिखाई लॉकडाउन में सतर्कता

वासुदेव मिश्रा

ग्वालियर। ग्वालियर शहर के बारादरी चौराहा मुरार में जहां जिला प्रशासन ने शनिवार और रविवार को शहर में लॉकडाउन आदेश जारी करने पर पूर्व की भांति यातायात पुलिस थाना मेला के सहायक उप निरीक्षक विनोद गोस्वामी एवं यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा ऐसे वाहनों को रोका जा रहा है जो चेहरे पर मास्क नहीं लगाए हैं। उनकी

चालानी कार्यवाही की जाकर उन्हें मास्क दिया जा रहा है। वाहनों के कागजात चेक कर कमी पाए जाने पर चालानी कार्रवाई करते हुए दिशा निर्देश दिए जा रहे हैं कि चेहरे पर मास्क लगाना अनिवार्य है। मौजूद पुलिस कर्मियों द्वारा आम जनता से लॉक डाउन का पालन कराए जाने हेतु प्रयास जारी है।

बिना मास्क के पकड़े गए शाहरूख खान, तीन दिन के लिये बनाया कोरोना वॉलेन्टियर

ग्वालियर। कोविड-19 के संक्रमण की रोकथाम के लिये सभी को मास्क पहनना अनिवार्य किया गया है। बिना मास्क के घूमते पाए जाने पर कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में कार्य कराया जायेगा। इसके आदेश कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह द्वारा जारी किए गए हैं। मास्क पहनकर संक्रमण की रोकथाम करने का दायित्व शहर के हर नागरिक का है। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह सोमवार को शहर के भ्रमण पर निकले तो एसपी ऑफिस के सामने शाहरूख खान पुत्र स्व. हबीब खान बिना मास्क पहने अपनी बाइक पर जाता हुआ मिला। उन्होंने तत्काल गाड़ी रोककर शाहरूख

कहानी सच्ची है

को रोका और बिना मास्क के घूमने का कारण पूछा। शाहरूख द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। कलेक्टर ने एसडीएम लश्कर श्री सी बी प्रसाद को निर्देशित किया कि श्री शाहरूख को तीन दिन तक अपने साथ कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में लगाएं। कलेक्टर के निर्देश पर श्री सी बी प्रसाद ने श्री शाहरूख खान को अपने साथ गाड़ी में बिठाया और आगामी तीन दिन तक कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में कार्य करने के लिये निर्देशित किया है। इसके साथ ही कलेक्टर ने हाईकोर्ट पर धमेन्द्र यादव पुत्र श्री बाबूलाल यादव को भी बिना मास्क के घूमते पाए जाने पर रोका और मास्क न पहनने के संबंध में जानकारी ली। श्री धमेन्द्र यादव द्वारा बताया गया कि वह सेंवढा जिला दतिया का रहने वाला है और अपने घर जा रहा है। कलेक्टर ने तत्काल जुर्माना कर राशि वसूल करने के निर्देश एसडीएम को दिए। जुर्माना वसूल करने के साथ-साथ समझाइश दी और तत्काल मास्क पहनवाकर उसे रवाना किया। कलेक्टर श्री कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिले के सभी इंसीडेंट कमांडरों को निर्देशित किया है कि वे प्रतिदिन अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन सुनिश्चित कराएं। इसके साथ ही बिना मास्क के घूमते पाए जाने पर जुर्माना करने के साथ-साथ ऐसे लोगों को कोरोना वॉलेन्टियर बनाकर कम से कम तीन दिन अपने साथ लगाकर कार्य कराएं। ऐसे लोगों को कोरोना वॉलेन्टियर के रूप में अन्य स्थानों पर भी तैनात किया जा सकता है।

प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये अधिक से अधिक कार्य प्रारंभ किए जाएं

अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में संभाग आयुक्त ने दिए निर्देश

ग्वालियर। कोविड-19 के कारण ग्वालियर संभाग में आए प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिये सभी पंचायतों में मनरेगा के तहत कार्य कराए जाएं। ग्वालियर संभाग में मनरेगा के तहत कितने कार्य प्रारंभ किए गए हैं और कितने प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है इसकी जानकारी प्रत्येक सप्ताह संभागीय कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें। संभागीय आयुक्त श्री एम बी ओझा ने संभाग स्तरीय अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में विभागीय अधिकारियों को यह निर्देश दिए हैं। मोतीमहल के मानसभागार में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा कर शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का क्रियान्वयन तेजी के साथ करने के निर्देश भी दिए गए हैं। बैठक में संभागीय उपायुक्त डॉ. आर पी भारती, संयुक्त आयुक्त श्री रामकुमार शर्मा, संभागीय समन्वयक डॉ. विशाल प्रताप सिंह तोमर, माफी ऑफीसर सुश्री मनीषा कॉल,

ग्वालियर विकास प्राधिकरण के सीईओ श्री के के गौर, संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश श्री बी के शर्मा, संयुक्त संचालक महिला एवं बाल विकास सुश्री सीमा शर्मा एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने विभागीय अधिकारियों से कहा है कि ग्रामीण तथा शहरी क्षेत्र में प्रवासी श्रमिकों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किए जाएं। कोविड-19 के कारण जो श्रमिक अन्य प्रदेशों से वापस अपने घर आए हैं उन्हें रोजगार के लिये परेशान न होना पड़े। ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायतों के माध्यम से जल संरक्षण एवं संवर्धन के अधिक से अधिक कार्य हाथ में लिए जाएं। प्रवासी श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ जॉब कार्ड का वितरण भी अनिवार्यतः किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि ग्वालियर संभाग के किसी भी जिले में किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदा गया खाद्यान्न खुले में नहीं रहना चाहिए। इसके साथ ही जिन किसानों से खाद्यान्न क्रय किया गया है उनका भुगतान शेष नहीं रहे। बैठक में मंडियों में कराए जा रहे निर्माण कार्य की भी समीक्षा की गई। ग्वालियर संभाग के सभी जिलों में मंडियों के माध्यम से कराए जा रहे निर्माण कार्यों की जानकारी नियमित रूप से भेजने के निर्देश भी दिए गए। आगामी बैठक में मंडी के कार्यपालन यंत्री को सम्पूर्ण जानकारी के साथ उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए। मछली पालन विभाग की समीक्षा के दौरान संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए हैं कि मछली पालन के लिये ग्वालियर संभाग में जिन समितियों को पट्टे दिए गए हैं उनकी जांच की जाए। मछली पालन विभाग के अधिकारी सभी समितियों की जांच कर अपनी रिपोर्ट भी आगामी बैठक में प्रस्तुत करें। महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा करते हुए संभाग आयुक्त ने कहा कि डे-केयर सेंटर का संचालन और प्रभावी रूप से विभाग करे। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों के साथ-साथ शहरी क्षेत्र में भी डे-केयर सेंटर का संचालन किया जाए। संभागीय आयुक्त श्री ओझा ने ग्वालियर विकास प्राधिकरण के कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि प्राधिकरण की जो भी दुकानें एवं मकान निर्मित किए गए हैं उनके विक्रय की प्रक्रिया को तेजी के साथ किया जाए। इसके साथ ही नामांतरण के जो भी प्रकरण लंबित हैं उनका तत्परता से निराकरण किया जाए।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं ... पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन./31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478